AZAD MPPSC ACADEMY

Unit Of Azad Group

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Azad Group
empowering nation...

मध्यप्रदेश सामान्य अध्ययन

सामान्य जानकारी परिचय

राजधानी :– भोपाल

भारत में 5 भू आवेष्ठित राज्य हैं

1. हरियाणा
2. मध्य प्रदेश
3. छत्तीसगढ़
4. झारखंड
5. तेलंगाना

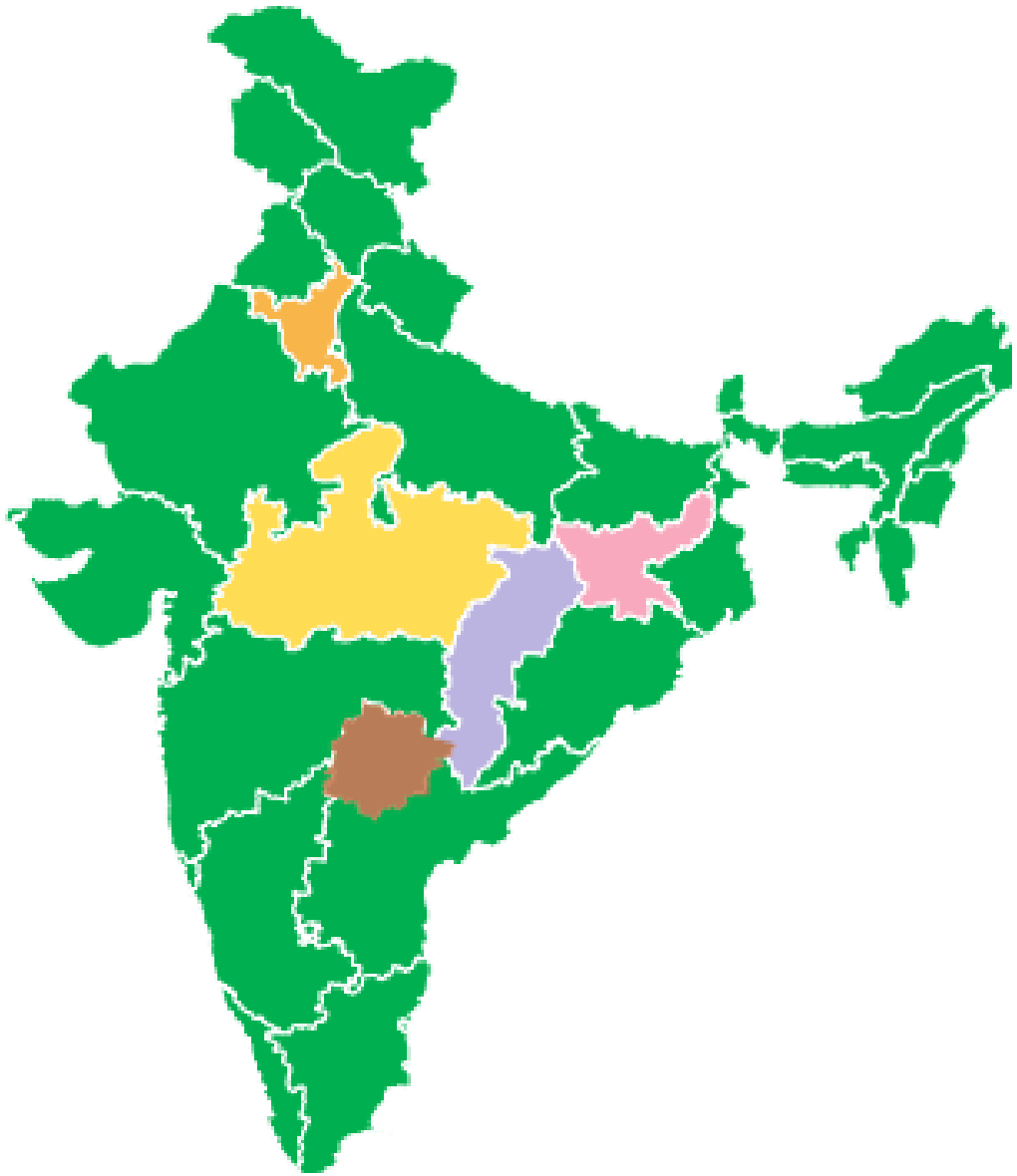

परिचय
Introduction

नामकरण | Naming →
- पंडित जवाहरलाल नेहरू | Pandit Jawaharlal Nehru

उपनाम | Nickname →
- हृदय प्रदेश, सोया प्रदेश, नदियों का मायका, टाइगर स्टेट | Heart Region, Soya a Pradesh[Rivers Of Myks, Tiger State

स्थापना | Establishment →
- 1 नवम्बर 1956 (मध्य प्रदेश दिसव) | November 1, 1956 (Madhya Pradesh Day)

वर्तमान स्वरूप | Current →
- 1 नवम्बर 2000 | November 1st, 2000

क्षेत्रफल →
- 3,08,252 वर्ग किलोमीटर

विस्तार

- 21’6 N अक्षांश से 26‘30 अक्षांश तक। 21’6 N latitude to 26’30 latitude तथा
- 74’9 E देशांतर से 82’48 E देशांतर। 74’9 E longitude to 82’48 E longitude

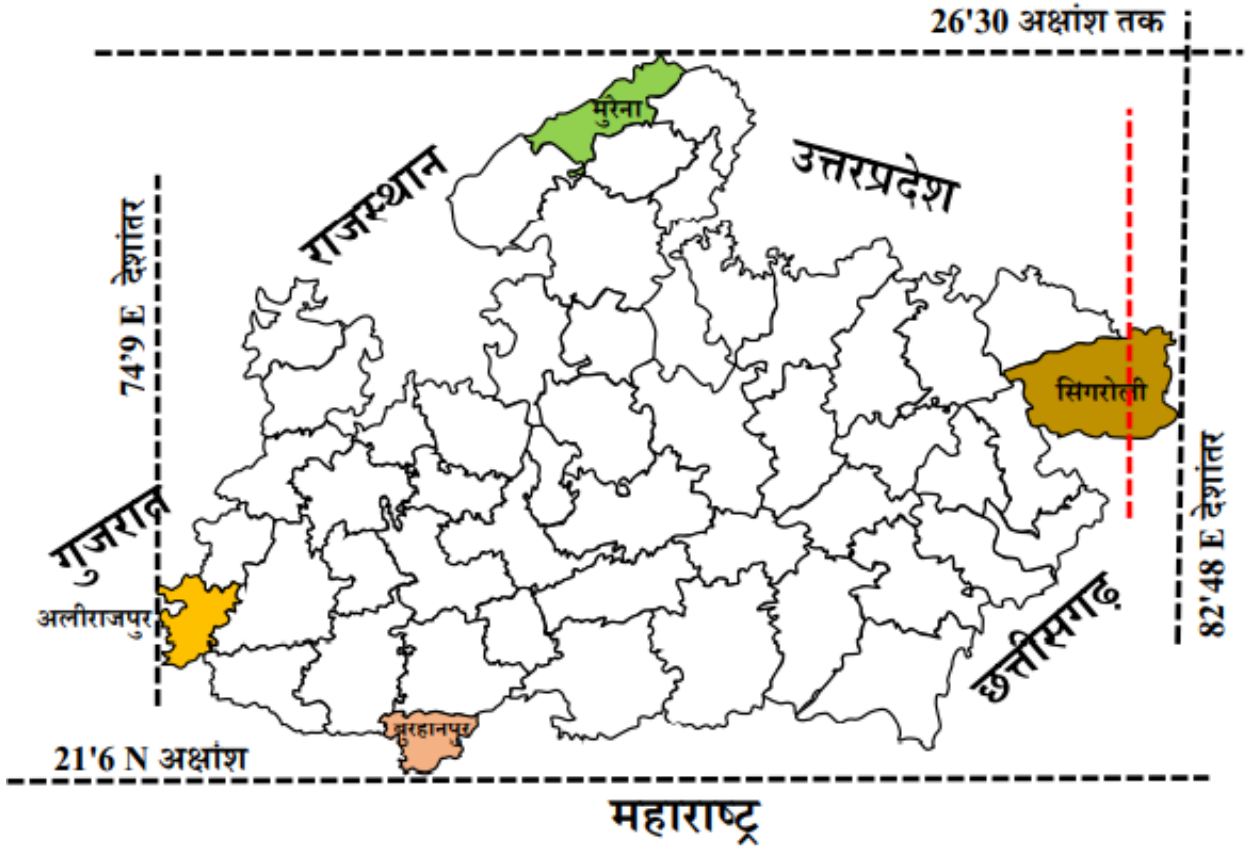

कर्क रेखा | Tropic of Cancer

- कर्क रेखा मध्यप्रदेश के 14 जिलों से होकर गुजरती है। Tropic of Cancer passes through 14 Madhya Pradesh

(रतलाम, उज्जैन, आगर, मालवा राजगढ़ सीहोर, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, उमरिया, शहडोल)

(Ratlam, Ujjainm Agar, Malwa, Rajgarh, Sihor, Bhopal, Vidisha, Raisen, Sager, Damoh, Jabalpur, katni, Umaria, Shahbol)

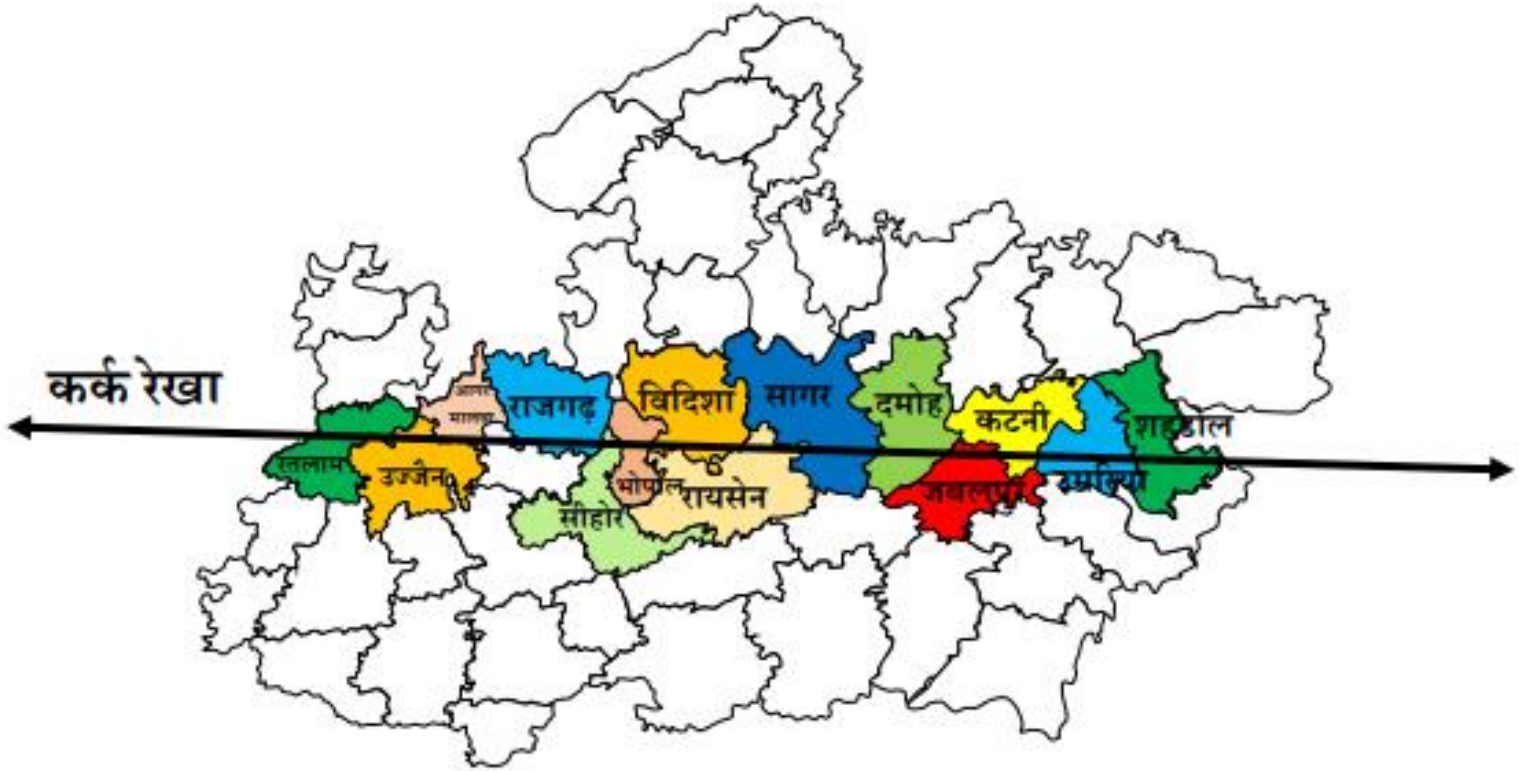

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

लंबाई

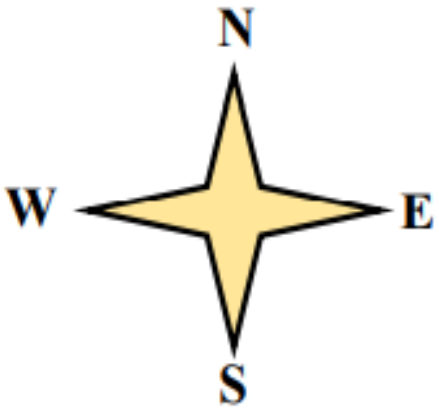

- उत्तर से दक्षिण 605 किमी. । North to South = 605 km
- पूर्व से पश्चिम 870 किमी । East to West = 870 km

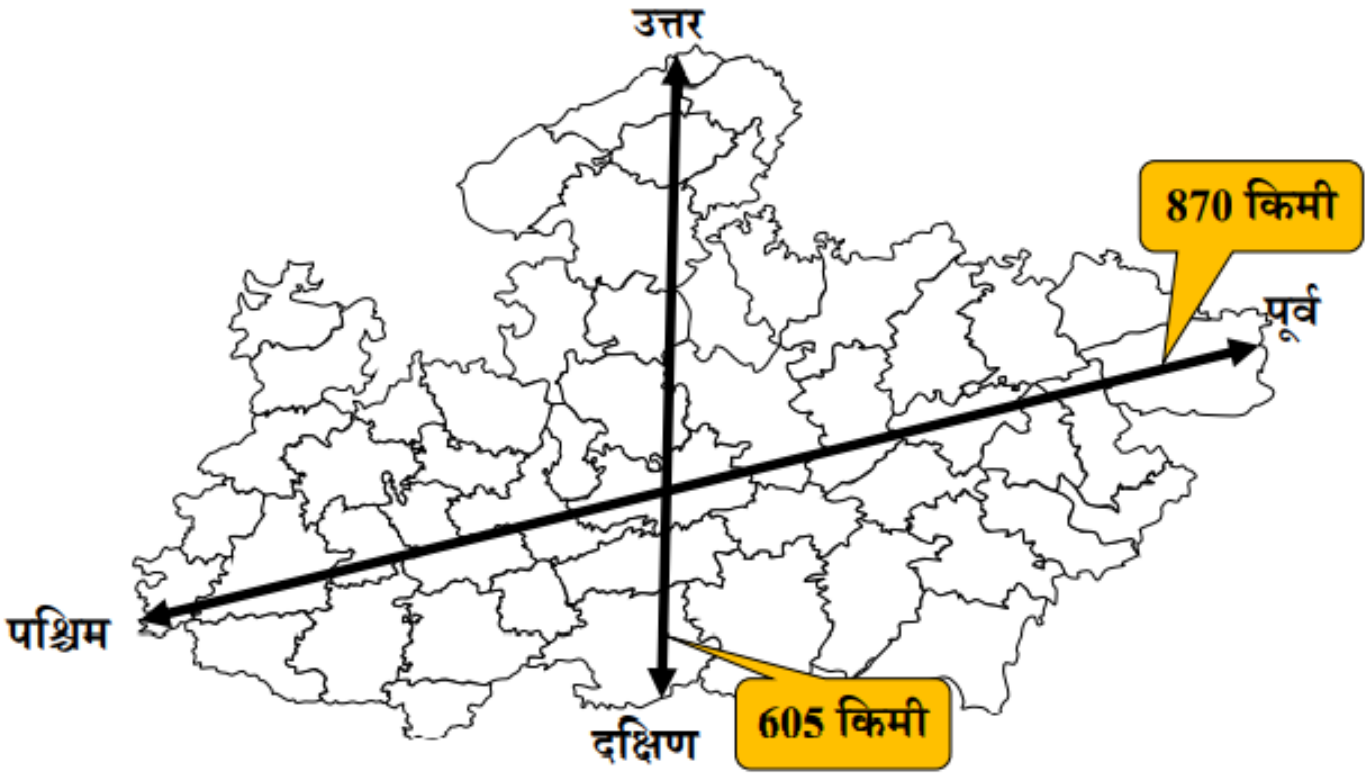

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

मध्य प्रदेश

- संभाग 10
- जिले 52
- तहसीलें 424
- विकासखंड 313
- ग्राम 54903

मध्यप्रदेश में नगरीय निकाय

- नगर निगम 16
- जिला पंचायत 52
- नगरपालिका 98
- नगर पंचायत 294
- जनपद पंचायत 313
- ग्राम पंचायत 30922

मध्यप्रदेश के संभाग

कुल - 10

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

मध्यप्रदेश के जिले

कुल - 52

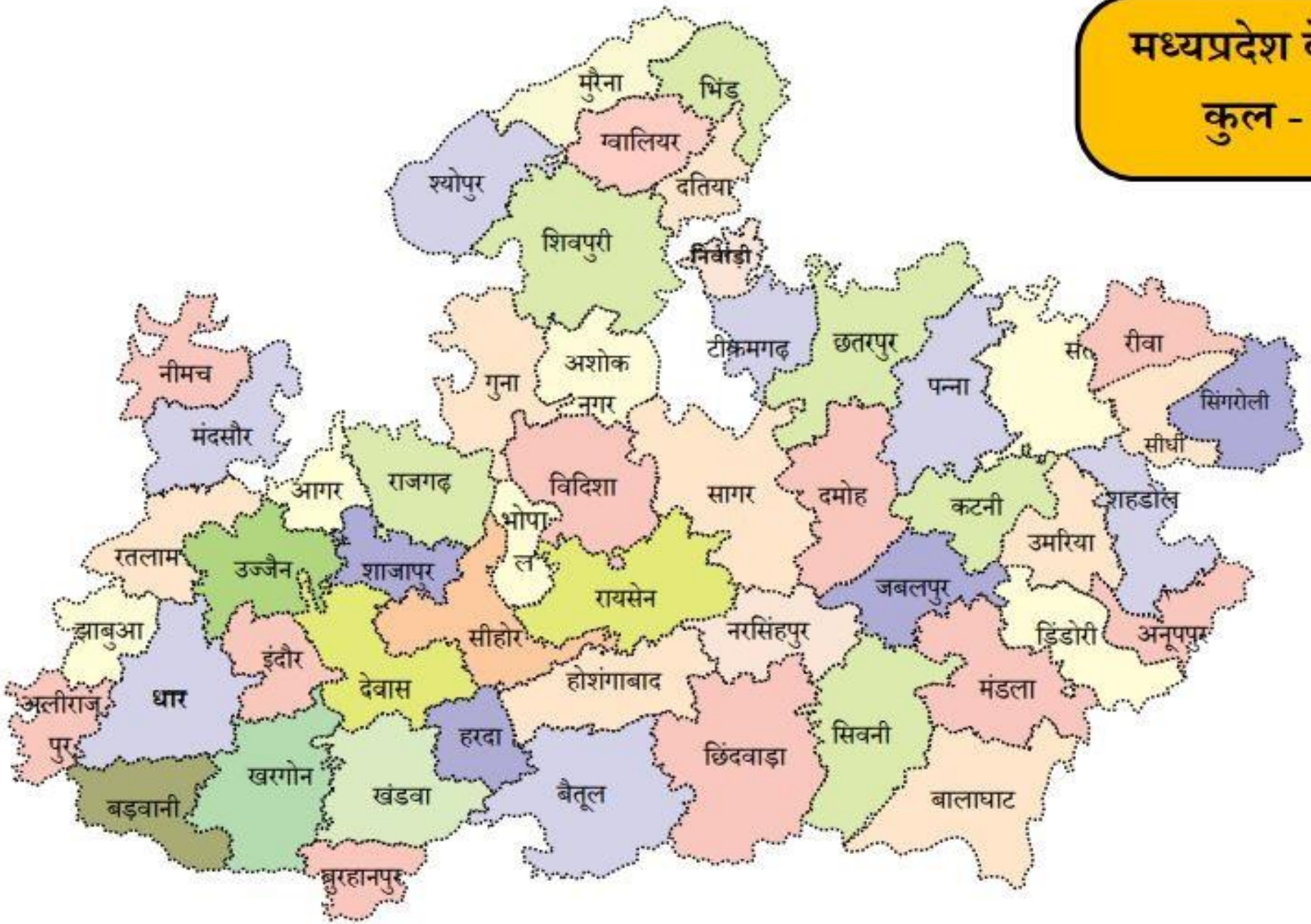

मध्य प्रदेश की जनगणना (2011 के अनुसार)

कुल :- 7,26,26,809

- SC/ST
  - अनुसूचित जाति | SC (15.61%)
  - अनुसूचित जनजाति | ST (21.08%)
- नगरीय/शहरी
  - पुरुष 1,04,62,918
  - स्त्री 96,06,487
- ग्रामीण
  - पुरुष 2,71,49,388
  - स्त्री 2,54,08,016

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

मध्य प्रदेश

राज्यसभा | Rajya Sabha
11 सीटें

लोकसभा | Lok sabha
29 सीटें

- Sc: 4
- ST: 6

SC + ST = 10

विधानसभा
230

- SC: 35
- ST: 47

SC + ST = 82

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

राजकीय चिन्ह | State Symbol

- ✓ चौबीस स्तूपनुमा आकृति के अंदर एक वृत बना हुआ है। There is a circle inside the twenty-four stupa-like shape.
- ✓ वृत्त में गेहूं और धान की बालियां बनी हुई हैं | Wheat and paddy earrings are made in the circle
- ✓ बीच में वटवृक्ष प्रदर्शित है, मध्यप्रदेश शासन तथा सत्यमेव जयते लिखा है | In between, the tree is displayed, the Madhya Pradesh government and Satyamev Jayate are written.
- ✓ बीच में अशोक स्तंभ बना हुआ है। There is an Ashoka pillar in between.

2. मध्य प्रदेश गान

सुख का दाता सब का साथी शुभ का यह संदेश है,

मां की गोद पिता का आश्रय मेरा मध्य प्रदेश है|

लेखक :- महेश श्रीवास्तव | Author :- Mahesh Srivastava

मध्यप्रदेश गान

सुख का दाता सब का साथी शुभ का यह संदेश है,
माँ की गोद, पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है।

विंध्याचल सा भाल नर्मदा का जल जिसके पास है,
यहां ज्ञान विज्ञान कला का लिखा गया इतिहास है।
उर्वर भूमि, सघन वन, रत्न, सम्पदा जहां अशेष है,
स्वर-सौरभ-सुषमा से मंडित मेरा मध्यप्रदेश है।

सुख का दाता सब का साथी शुभ का यह संदेश है,
माँ की गोद, पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है।

चंबल की कल-कल से गुंजित कथा त्याग, बलिदान की,
खजुराहो में कथा कला की, चित्रकूट में राम की।
भीमबैठका आदिकला का पत्थर पर अभिषेक है,
अमृत कुंड अमरकंटक में, ऐसा मध्यप्रदेश है।

क्षिप्रा में अमृत घट छलका मिला कृष्ण को ज्ञान यहां,
महाकाल को तिलक लगाने मिला हमें वरदान यहां,

कविता, न्याय, वीरता, गायन, सब कुछ यहां विशेष है,
हृदय देश का है यह, मैं इसका, मेरा मध्यप्रदेश है।
सुख का दाता सब का साथी शुभ का यह संदेश है,
माँ की गोद, पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है।

सुख का दाता सब का साथी शुभ का यह संदेश है,
माँ की गोद, पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है।

3. राजकीय पुष्प

✓ लिलि के फूल अपनी सुंदरता एवं आकृति के कारण विख्यात है।

Lili's flowers are famous for their beauty aroma and shape.

✓ वैज्ञानिक नाम: लिलियम कैंडिडियम। Scientific name : Lilium candidum

सफेद लिली | Madonna Lily

4. राजकीय नाटक :- माच

✓ माच मालवा का प्रमुख लोक नाट्य रूप है | Mach is the major folk drama of Malwa

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

5. राजकीय नृत्य :- राई

6. राजकीय खेल :- मलखंब

- ✓ मलखम्ब भारत का एक पारम्परिक खेल है जिसमें खिलाड़ी लकड़ी के एक उर्ध्व खम्भे या रस्सी के उपर तरह-तरह के करतब दिखाते हैं। Malakhamb is a traditional sport in India in which players perform a variety of feats on top of an vertical wooden pillar or rope.
- ✓ इसमें प्रयुक्त खम्भ को 'मल्लखम्भ' ही कहा जाता है। यह मध्य प्रदेश का राज्य खेल है 2013 में राज्य खेल घोषित कर दिया | The pillar used in it is called ' Mallakhmbh '. It is the state game of Madhya Pradesh declared state sport in 2013
- ✓ 'मलखम्ब' (शुद्ध, 'मल्लखम्भ') दो शब्दों से मिलकर बना है - 'मल्ल' (बलवान या योद्धा) तथा 'खम्भ' (खम्भा)। 'Malkhamb' (pure, 'mallakhm') consists of two words - 'Malla' (strong or warrior) and 'pillar'.

7. राजकीय मछली :- महाशीर

- ✓ वैज्ञानिक नाम : टोर प्यूटिटौरा | Scientific Name: Tor Putitura
- ✓ नर्मदा नदी में यह पाई जाती है। It is found in the river Narmada.
- ✓ पहले नर्मदा में इनकी संख्या 28 से 30 प्रतिशत तक थी जो अब यह घटकर चार प्रतिशत रह गई है। Earlier, in Narmada, the number was 28 to 30 per cent, which has now come down to four per cent.

8. राजकीय पशु :- बारहसिंघा (प्रजाति - ब्रैड्री)

- ✓ वैज्ञानिक नाम : सवसु डुवौसेली | Scientific Name: Sawasu Duvauseli
- ✓ बारहसिंगा को दलदल का मृग खा जाता है। The stag is eaten by the swamp deer.
- ✓ ब्रेडरी प्रजाति का बारहसिंगा मात्र मध्यप्रदेश के कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्द्यान में पाया जाता है। The barhasinga of the bready species is found only in the Kanha Kisli National Eruption of Madhya Pradesh.

9. राजकीय पक्षी :- दूधराज | शाह बुलबुल

- वैज्ञानिक नाम- पैराडाइज फ्लाई कैचर | Paradise Fly Catcher
- दूधराज में नर व मादा का रंग अलग-अलग होता है जिसमें नर का रंग सफेद होता है, वही मादा का चमकीला काला रंग होता है | In Dudhraj, the male and female have different colors in which the male is white in colour, the same is the bright black colour of the female.
- इस पक्षी की सबसे बड़ी विशेषता यह मानी गई है कि इनका किशोरावस्था तक नर पक्षी का रंग भी मादा जैसा होता है. लेकिन वक़्त के साथ परिवर्तन होने पर उनका रंग बदल जाता है | The biggest feature of this bird is that the male bird has a female colour till adolescence. But their color changes when it changes over time.
- भारतीय डाक तार विभाग ने दूधराज के जोड़े का एक डाक टिकट भी जारी किया था | The Indian Postal Telegraph Department had also released a postage stamp of the dudhraj couple.

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

10. राजकीय वृक्ष :- बरगद वटवृक्ष

11. राजकीय फसल :- सोयाबीन

मध्य प्रदेश की भौगोलिक स्थिति

❖ मध्य प्रदेश की सीमा 5 राज्यों से लगती है

उत्तर प्रदेश ➤ राजस्थान ➤ महाराष्ट्र ➤ छत्तीसगढ़ ➤ गुजरात (सबसे कम)

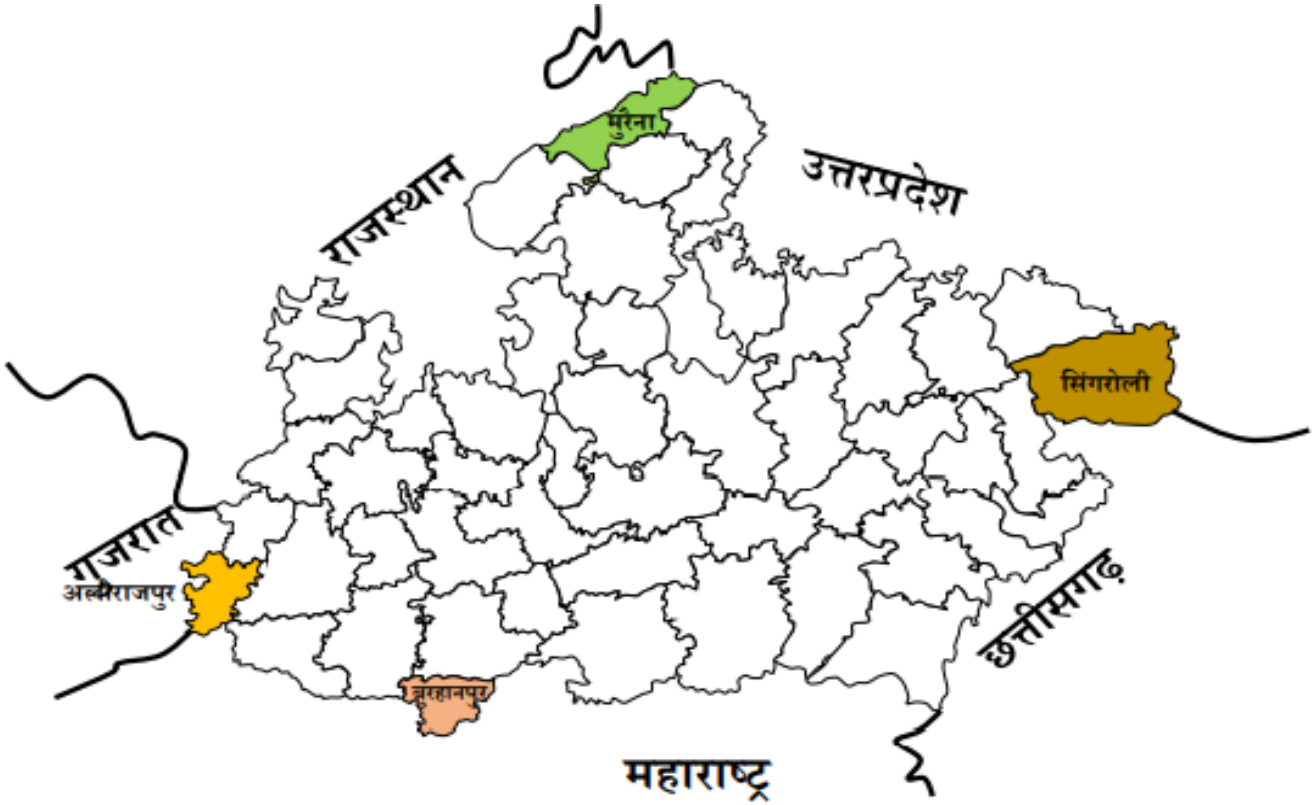

अध्याय—2

मध्य प्रदेश का गठन | Formation of Madhya padesh

स्वतंत्रता के पहले मध्य प्रदेश की स्थिति | The status of Madhya Pradesh before independence.

- हिमालय एवं विंध्याचल के बीच का हिस्सा, प्रयागराज के पश्चिम में है : 'मनुस्मृति' (लेखक - आचार्य मनु) | The middle part of Vindhyachal and the Himalayas, It is in west of Prayagraj: 'Manu Smriti' (Author - Acharya Manu)
- मध्य प्रदेश मौर्य साम्राज्य का हिस्सा था, इस क्षेत्र में सम्राट अशोक के समय में बौद्ध धर्म का प्रचार प्रसार हुआ था | Madhya Pradesh was part of the Mauryan Empire, the propagation of Buddhism during emperor Ashoka's time in the region
- मध्यप्रदेश 1957 में के राज्य के रूप में सामने आया | Madhya Pradesh emerged as a state in 1957

स्वतंत्रता के पहले मध्य प्रदेश की स्थिति | The status of Madhya Pradesh before independence.

- स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले मध्य प्रदेश अस्तित्व में नहीं था | Madhya Pradesh did not exist before independence.
- मध्य प्रदेश | Madhya Pradesh → मध्य में स्थित | Located in the centre → हृदय प्रदेश | Heart State

↓

ब्रिटिश काल | British Times → सेंट्रल प्रोविजंस एंड बारार |
Central Provisions and Brar

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

1947 से पूर्वमध्यप्रदेश की स्थिति |

Status of Madhya Pradesh before 1947

ब्रिटिश भारत

रियासतें

भारत राज्य श्रेणियाँ | India state categories

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

A श्रेणी राज्य | Group A State

ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रत्यक्ष नियंत्रित राज्य | State directly controlled by the British government

B श्रेणी राज्य | Group B State

देसी रियासतें जो ब्रिटिश सरकार सरकार के अधीन नहीं थी | The princely states which were not under the British Government.

C श्रेणी राज्य | Group C State

61 बड़ी रियासतें | 61 major princely states

D श्रेणी राज्य | Group D State

केंद्र शासित तथा छोटे प्रदेश शामिल | Union Territories and Minor Territories Included

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

मध्य प्रदेश |

Madhya Pradesh

A — भाग 1 :- सेंट्रल प्रोविजंस एंड बरार | Part A : Central Provisions and Brar

B — भाग 2 :- मध्य भारत प्रांत | Part B : - Central India Province

C — भाग 3 :- विंध्य प्रदेश | Part C: - Vindhya Pradesh

C — भाग 3 :- भोपाल | Part C: - Bhopal

स्वतंत्रता के उपरांत मध्य प्रदेश |

Madhya Pradesh after Independence

भाग 1 : सेंट्रल प्रोविजंस एंड बरार |
Part 1: Central Provisions and Brar

- ब्रिटिश काल | British era → कब्ज़ा | Else → महाकौशल प्रांत | Mahakaushal Province (पेशवा, सिंधिया, भोसले से छीन कर)
  ↓
  "सागर नर्मदा टेरिटरीज" | "Sagar Narmada Territories"
  +
  नागपुर (भोंसले से) | Nagpur (from Bhosle)
  → सेंट्रल प्रोविजंस | Central Province

- 1903
  - 4 जिले बरार के | 4 Districts of Brar
  - छत्तीशगढ़ (निज़ाम से छीनकर) | Chhattisgarh (snatched from Nizam)

  → सेंट्रल प्रोविजंस एंड बरार | Central Province & Brar

राजधानी :- नागपुर

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

भाग 2 :- मध्य प्रदेश प्रांत |

Part B: - Madhya Pradesh Province

- पंडित जवाहरलाल नेहरू → गठन | formation → 25 - रियासतों को मिलाकर : 22 अप्रैल 1948
  25 - Combining Princely States : 22 April 1948

  ↓

  उद्घाटन :- 28 मई 1948

- राज्य प्रमुख - जीवाजी राव सिंधिया (ग्वालियर) |
  Head of State - Jiji Rao Scindia (Gwalior)

  ↓

- उपराज्य प्रमुख :- (यशवंतराव इंदौर) | Deputy
  Head of State:- (Yashwantrao Indore)

राजधानी | Capital

शीतकालीन : ग्वालियर (6 महीने)
| Winter: Gwalior (6 months)

ग्रीष्मकालीन :- इंदौर (6 महीने) |
Summer :- Indore (6 months)

भाग 3 :- विंध्य प्रदेश | Part C: - Vindhya Pradesh

- दो क्षेत्र | Two Areas → बुंदेलखंड | Bundelkhand
  → बघेलखंड | Baghelkhand
- समझौता | agreement :- मार्च 1948
- विंध्यागिरी पहाड़ियों में स्थित | Located in Vindhyagiri Hills → नाम :- विंध्य प्रदेश | Vindhya Pradesh

↓

राजधानी | Capital :- रीवा | Rewa

↳ राजप्रमुख | head of state :- राजा मार्तंड सिंह देव | Raja Martand Singh Dev

भाग 3 : भोपाल राज्य।
Part C : - Bhopal State

- नवाब हमीदुल्लाह खान । Nawab Hamdullah Khan

↓

घोषणा । Declaration ⟶ स्वतंत्र रियासत । Independent state

- जनमत संग्रह। Referendum ⟶ विलय के पक्ष में ! In favour of merger

↓

विलय समझौता। Merger agreement :- 30 अप्रैल 1949

- पहली महिला शासिका। First Lady Ruler :- कुसदिवा बेगम/गोहर बेगम।
  Kusdiva Begum / Gohar Begum

राज्यों का गठ | Formation of States

- अधार | base ⟶ भाषा | Language ⟶ उचित है/नहीं Is it fair/not ?

↓

जांच समिति | Inquiry Committee :- ⟶ रिपोर्ट | ⟶ Report भाषाई विभाजन का विरोध |

एस. के. धर समिति | S.K.Dhar Committee

Opposing linguistic division

- रिपोर्ट पुनः चेक समिति | Report ⟶ जे.वी.पी.समिति (1948) | J.V.P. Committee (1948)

Re - Check Committee

↓

3 सदस्य | 3 members ⟶ पंडित जवाहरलाल नेहरू
⟶ सरदार बल्लभ भाई पटेल
⟶ पट्टा भी सीतारामय्या

↓

रिपोर्ट | Report :- भाषाई आधार पर राज्यों की मांग खारिज

Rejects demands of states on linguistic basis

राज्य पुनर्गठन आयोग (1953) | State reorganization commission

- जे .वी. पी. समिति (1948) → रिपोर्ट | Report → आंदोलन | Protest
  J.V. P. Committee

  ↓

  आमरण अनशन |Hunger Strike till death
  (56 दिन बाद मृत्यु)

* 1 नवंबर 1953 को आंध्र प्रदेश का गठन | Andhra Pradesh formed on 1 November 1953

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

राज्य पुनर्गठन आयोग (1953) | State reorganization commission

- 1 नवंबर 1953 ⟶ अध्यक्ष | chairman ⟶ फजल अली | Fazal Ali ⟶ मध्यप्रदेश का गठन 1 नवंबर 1956

- बुलढाणा, अकोला, अमरावती, यवतमाल, वर्धा, नागपुर, भंडारा, चांदा को महाराष्ट्र में मिला दिया गया | Buldhana Akola Amravati Yavatmal Wardha Nagpur Bhandara Chanda merged into Maharashtra
- मंदसौर जिले की भानपुर तहसील के सुनेल टप्पा को छोड़कर मध्यप्रदेश में मिला दिया गया | Except Sunel Tappa of Bhanpur district of Mandsaur district and merged in Madhya Pradesh
- सिरोंज तहसील को विदिशा जिले में मिला दिया गया | Sironj Tehsil was merged in Madhya Pradesh
- भोपाल राज्य का मध्य प्रदेश में विलय | Bhopal state merged with Madhya Pradesh

*राजधानी ⟶ भोपाल (पूर्व में सीहोर जिले की तहसील)

जिले | Districts

- प्रारंभ | beginning – 43 जिले | 43 District → दो नए जिले | Two new districts (1972)
  - भोपाल
  - राजनाँदगाँव
- जिला पुनर्गठन आयोग 1983 (बीपी दुबे) | District Reorganisation Commission 1983 (BP Dubey)
  - → सिफारिश | Recommendation : 25 मई 1998 को 10 नए जिले | 10 new districts on 25 May 1998
- सिंहदेव समिति | Singhdev Samiti - 1998 → 6 नए जिले बनाए गए | 6 new districts created

- **कुल जिले - 61**

मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ बटवारा | Madhya Pradesh Chhattisgarh Division

1 नवंबर 2000

16 जिले छत्तीसगढ़ में शामिल हो गए |

16 districts joined Chhattisgarh

2003 : तीन नए जिलों का गठन |
Formation of three new districts

1. बुरहानपुर - खंडवा
2. अनूपपुर - शहडोल
3. अशोकनगर - गुना

2008 : 2 नए जिलों का गठन |
Formation of 2 new districts

1. अलीराजपुर - झाबुआ
2. सिंगरौली - सीधी

2013 : 1 जिले का गठन |
Formation of 1 district

1. आगरा मालवा

51 वाँ जिला

1 अक्टूबर 2018 :- 52 वाँ जिला निवाड़ी - टीकमगढ़

अन्य प्रस्तावित जिला नागदा, चाचौड़ा, मैहर और बागली

1. भोपाल रियासत को भारत संघ में कब शामिल किया गया ?

When was the princely state of Bhopal included in the Union of India

(a). सन् 1947.

(b). सन् 1948.

(c). सन् 1949.

(d). सन् 1956.

2. मध्य प्रदेश की स्थापना इस तारीख को की गई थी ?

Madhya Pradesh was established on this date

(a). 1 नवम्बर, 1965.

(b). 1 दिसम्बर, 1956.

(c). 1 सितम्बर, 1956.

(d). 1 नवम्बर, 1956.

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

3. पुनर्गठन से पूर्व भोपाल राज्य क्या था?

What was the state of Bhopal before reorganization

(a). ए–स्टेट का भाग। Portion for A – State.

(b). बी–स्टेट का भाग। Part of the B- State.

(c). सी–स्टेट का भाग। Part of C- State.

(d). एक पृथक स्टेट। A separate state.

Answere :- C

(* Note:- पहले भोपाल राज्य अगल था फिर बार में विलय के समय इसे पार्ट– C में मिला लिया गया था)

4. सही कथन को छाँटिए–

Sort the correct statement

(a). स्टेट–ए की राजधानी रीवा थी। The capital of State-A was Rewa.

(b). स्टेट–सी को मध्य–भारत नाम दिया गया। State –C was named Middle - India

(c). स्टेट–बी में बघेल खण्ड को सम्मिलित किया गया। Baghel division was included in State-B

(d). स्टेट–बी की दो राजधानियों थीं। State – B had two capitals.

5. महाकौशल क्षेत्र किस स्टेट में शामिल था?

In which state was the Mahakaushal region included?

(a). स्टेट–ए ।

(b). स्टेट–बी ।

(c). स्टेट–सी ।

(d). एक स्टेट।

6. पुनर्गठन के समय ली गई सिरोंज तहसील किसका हिस्सा बनी?

At the time of reorganization, Sironj Tehsil became part of

(a). कोटा। KOTA

(b). विदिशा। Vidisha

(c). भानपुरा। Bhanpura

(d). इनमें से किसी का नहीं। None of these

7. मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़ के गठन के पश्चात् कितने जिले रह गये हैं?

After the formation of Chhattisgarh in Madhya Pradesh, how many districts are left.

(a). 45.

(b). 48.

(c). 61.

(d). 43.

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

8. वर्तमान में मध्य प्रदेश .... में जिलों की संख्या कितनी है?

What is the number of districts in Madhya Pradesh ... at present

(a). 45.

(b). 48.

(c). 51.

(d). 52.

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

9. निम्नलिखित में कौन–सा नगर जिला मुख्यालय नहीं है?

Which of the following cities is not the district headquarters

(a). कटनी। KATNI

(b). कवर्धा। Kawardha.

(c). इटारसी। Itarsi.

(d). सीहोर । Sehore.

10. किन जिलों का समूह बंदेल खण्ड क्षेत्र में आता हैं?

Which group of districts fall under Bundel division?

(a). मंदसौर, राजगाद, शिवपुरी। Mandsaur, Rajgad, Shivpuri.

(b). टीकमगढ़, दमोह, उत्तरपुर। Tikamgarh Damoh Uttarpur.

(c). रीवा, शहडोल, सतना। Rewa, Shahdol, Satna.

(d). दुर्ग रायपुर राजनंदगांव । Durg Raipur Rajnandgaon.

मध्यप्रदेश का भौतिक विभाजन | Physical Division of Madhya Pradesh

- **मध्य प्रदेश :-** प्रायद्वीपीय पठार एवं भूगर्भिक इतिहास के आधार पर **गोंडवाना लैंड** का हिस्सा है | Is part of Peninsular Plateau and Gondwana Land based on Geologic History
- करोड़ों वर्ष पहले पृथ्वी एक साथ जुड़ी हुई थी | Millions of years ago, the earth was connected together
- इसे पेंजिया कहा जाता है इसका ग्रीक में अर्थ **संपूर्ण पृथ्वी** होता है | It is called Penjia, which in Greek means the entire earth.

पैंजिया | panjia

↓

2 भाग | Part 2

1. गोंडवाना लैंड
2. लारेशिया

मध्यप्रदेश का भौतिक विभाजन | Physical Division of Madhya Pradesh

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

मध्यप्रदेश का भौतिक विभाजन | Physical Division of Madhya Pradesh

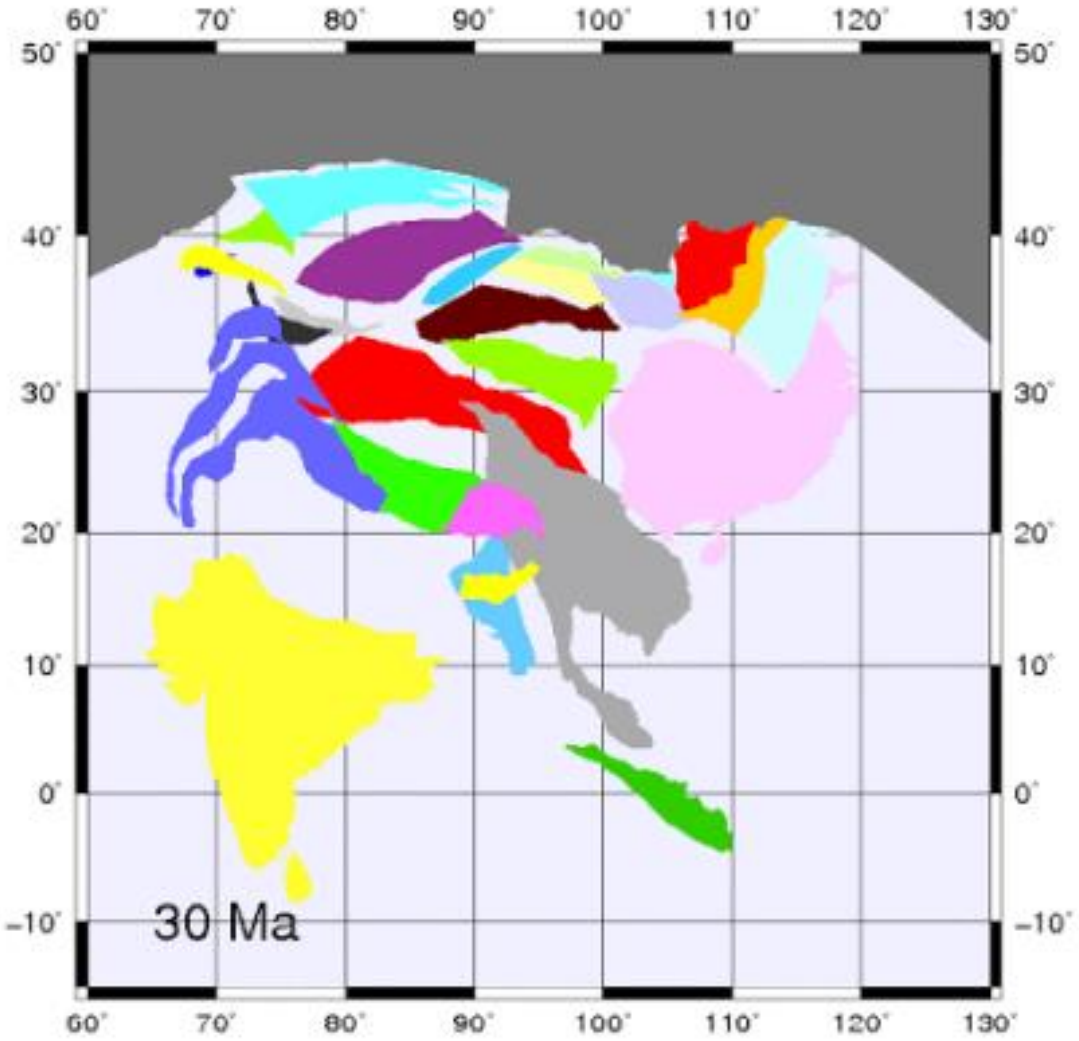

मध्यप्रदेश का अक्षांशीय विस्तार | Latitude extension of Madhya Pradesh

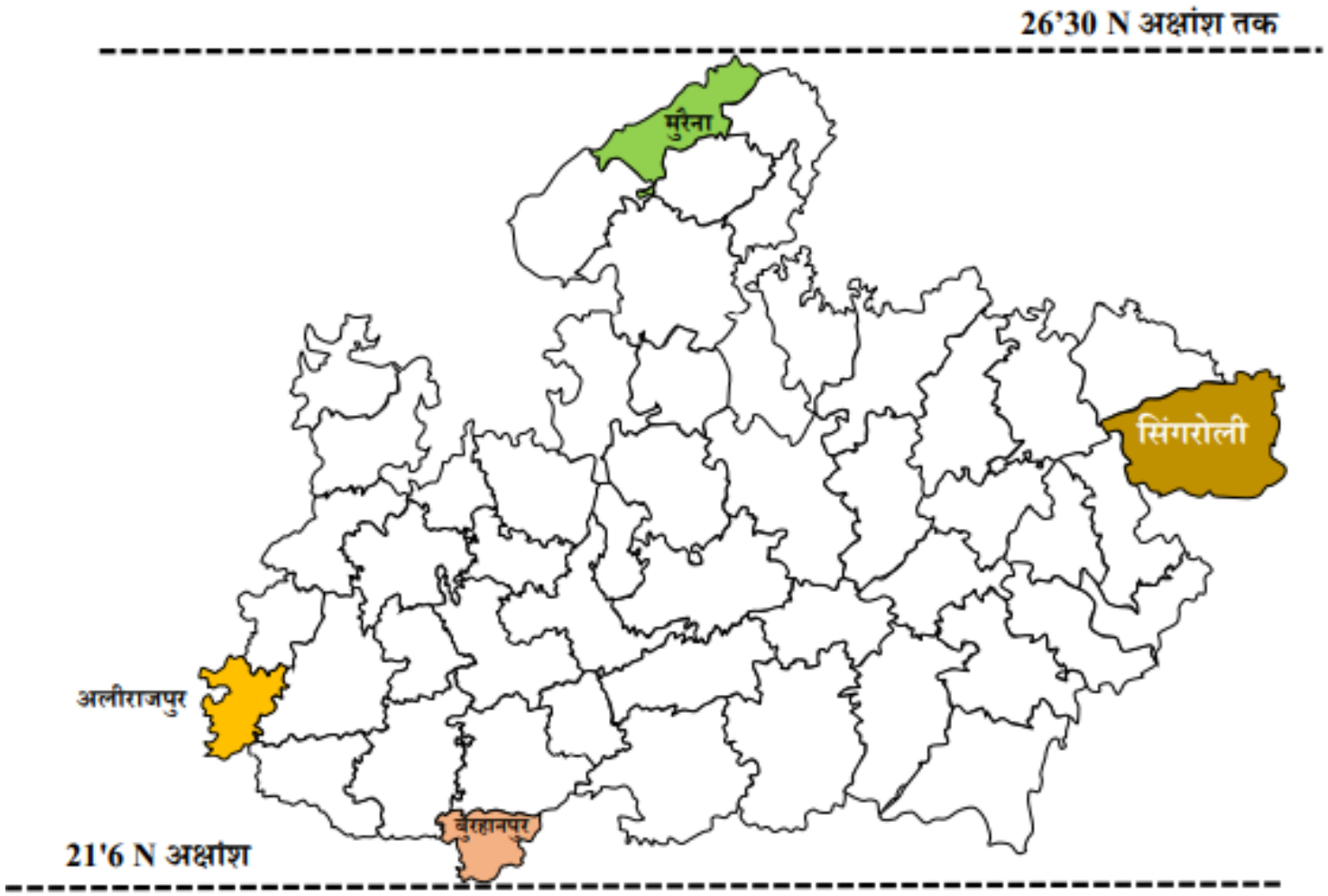

मध्यप्रदेश का देशांतरीय विस्तार | Longitudinal Extension of Madhya Pradesh

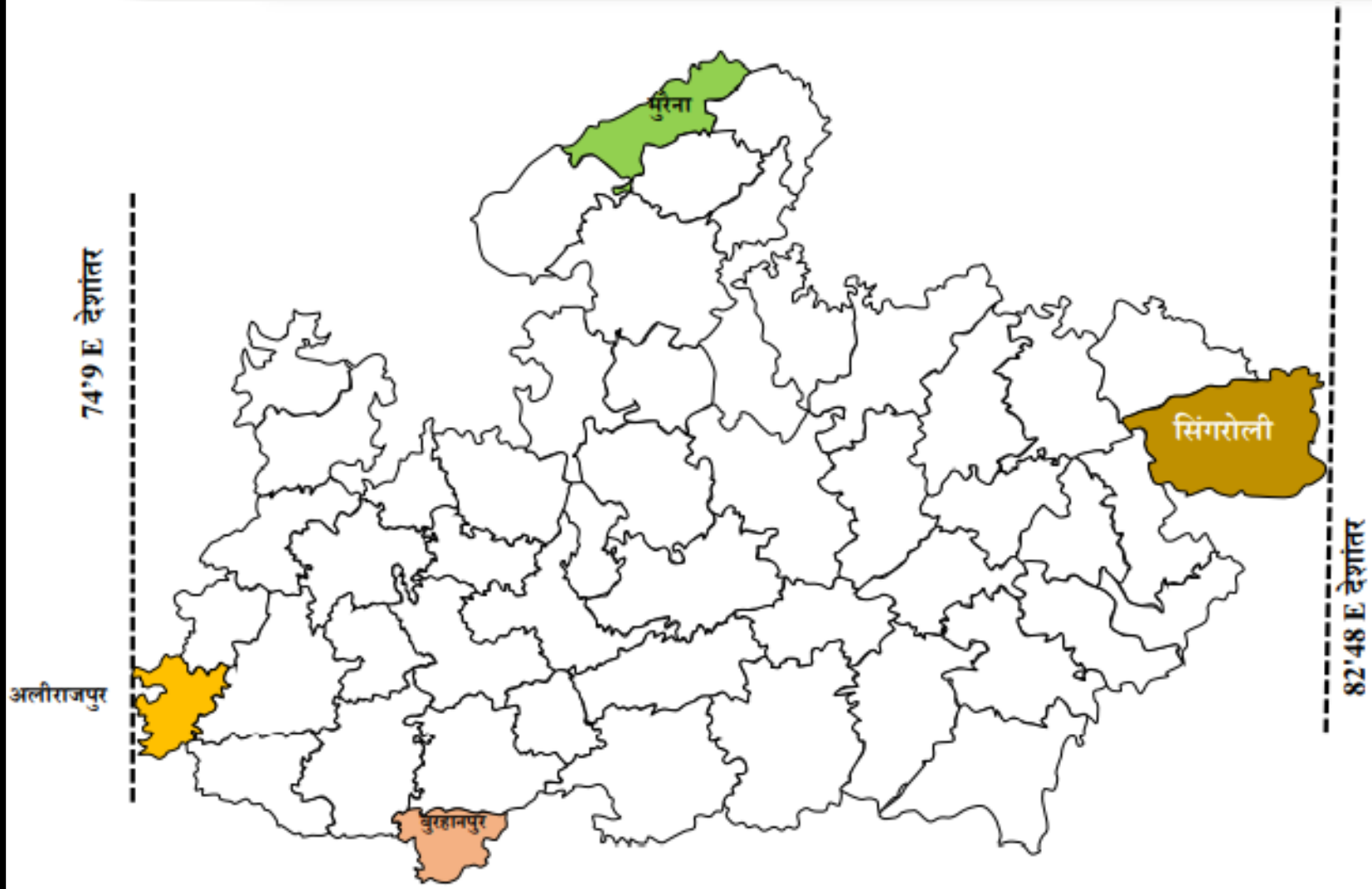

मानक समय रेखा | Standard Timeline

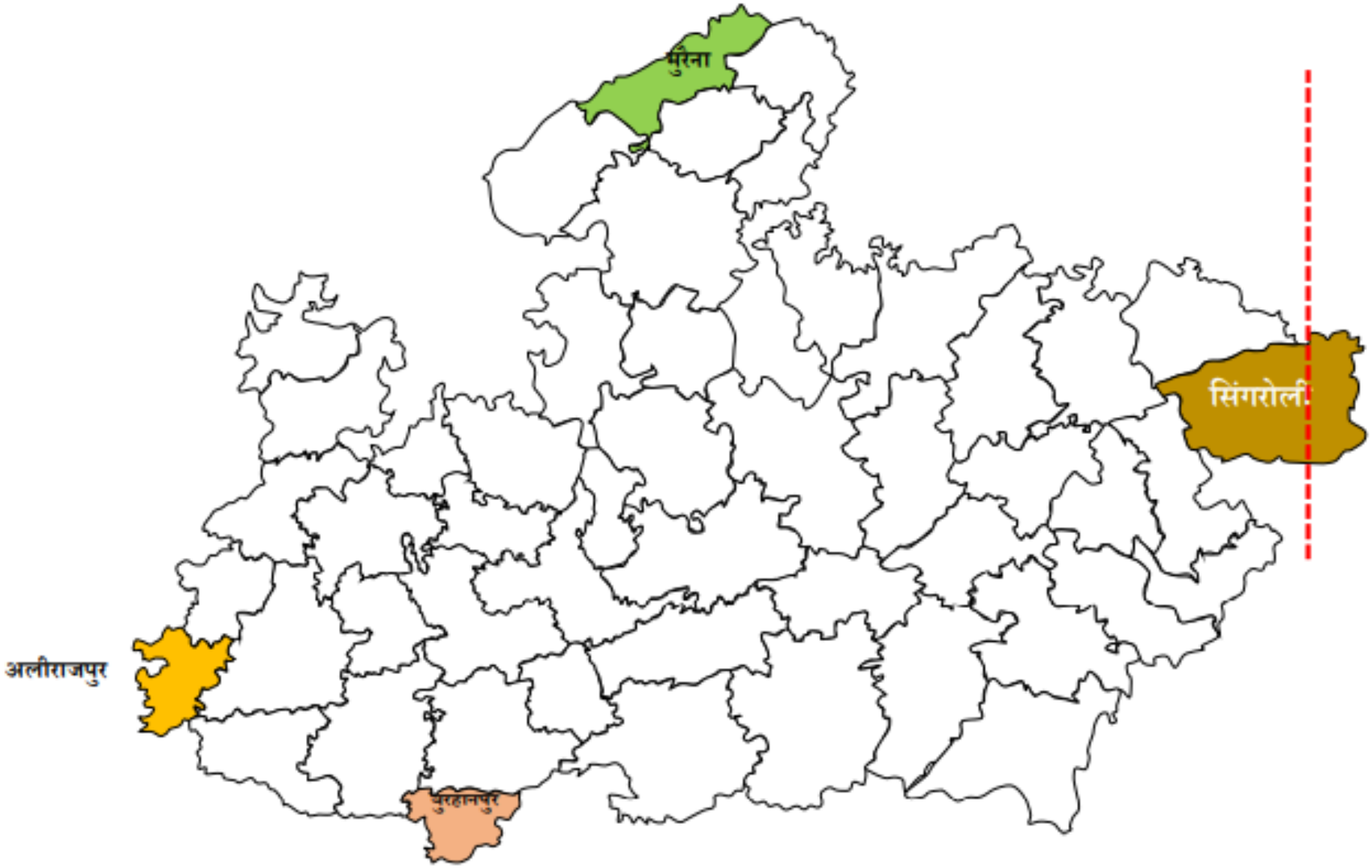

कर्क रेखा | Tropic of Cancer

- कर्क रेखा मध्यप्रदेश के 14 जिलों से होकर गुजरती है | Tropic of Cancer passes through 14 districts of Madhya Pradesh

(रतलाम, उज्जैन, आगर, मालवा, राजगढ़, सीहोर, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, उमरिया, शहडोल)

(Ratlam, Ujjain, Agar, Malwa, Rajgarh, Sihor, Bhopal, Vidisha, Raisen, Sagar, Damoh, Jabalpur, Katni, Umaria, Shahdol)

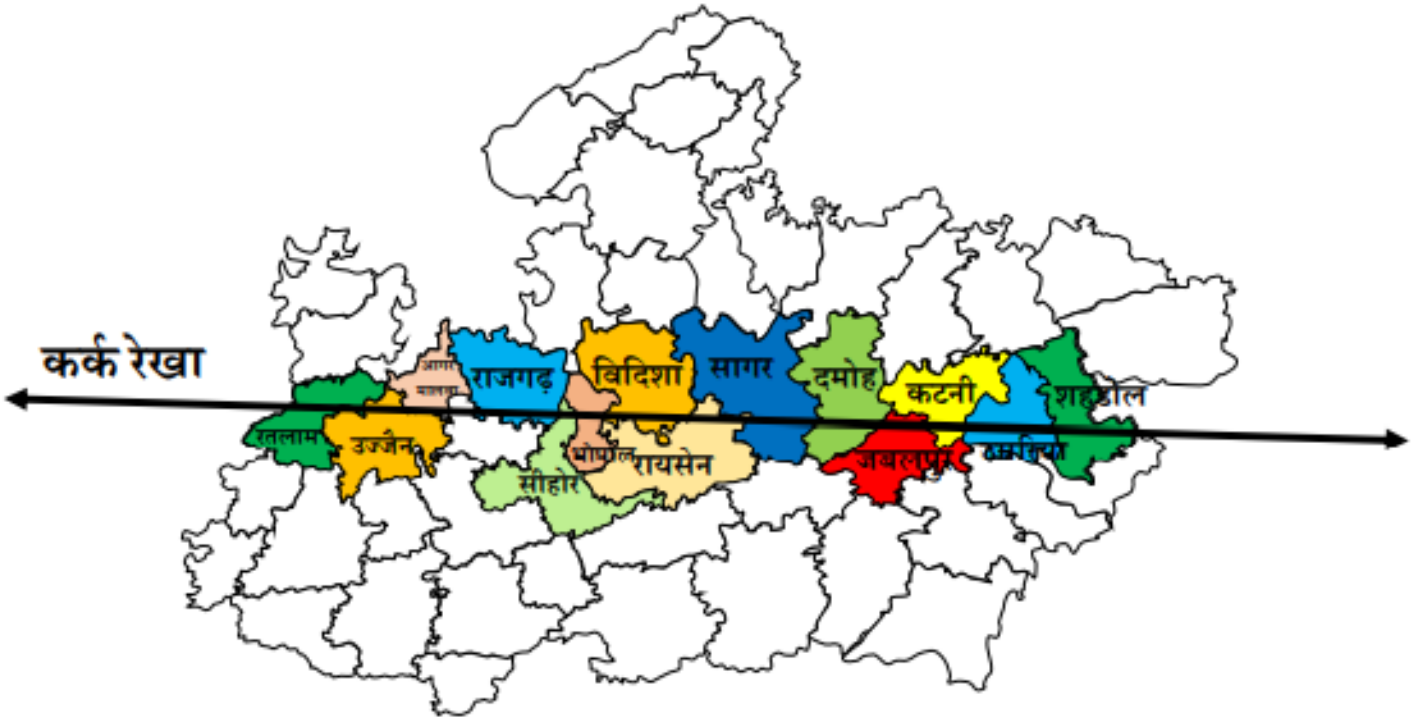

लंबाई | Length

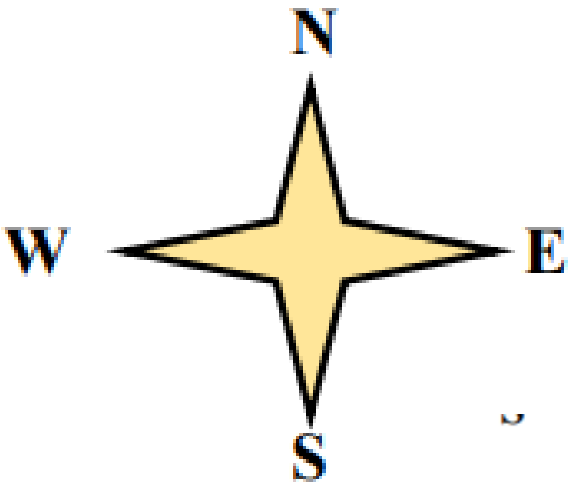

- उत्तर से दक्षिण - 605 किमी | North to South = 605 km
- पूर्व से पश्चिम - 870 किमी | East to West = 870 km

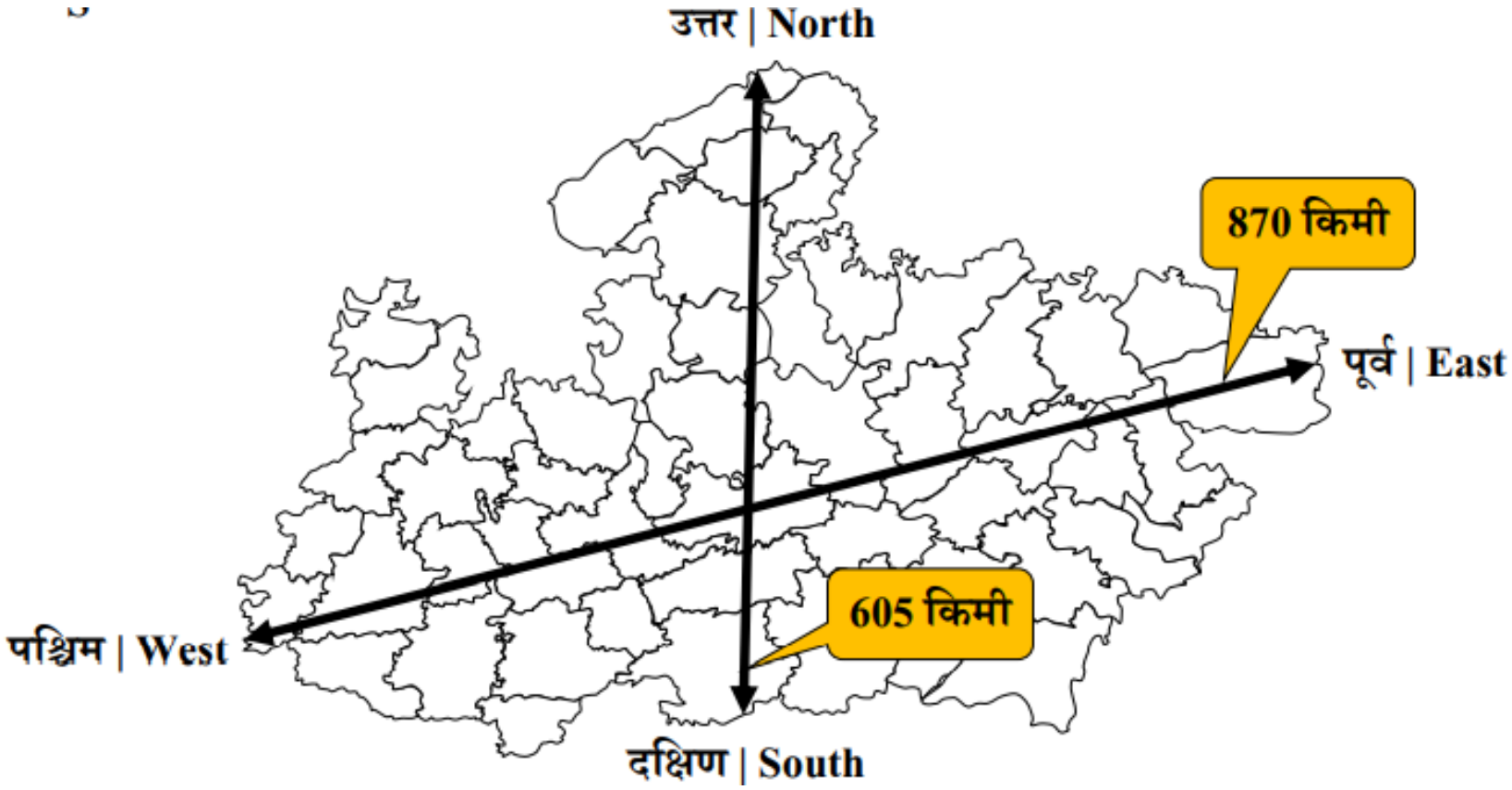

राज्य की भूवैज्ञानिक संरचना | Geological Structure of the State.

- मध्य प्रदेश प्रदीप पठार का उत्तरी भाग है। Madhya Pradesh is the northern part of the Pradeep Plateau
- यह पठार अभी पूर्णता जलमग्न नहीं हुआ। This plateau has not yet been submerged to perfection
- राज्य की संरचना निम्नलिखित कालों में विभाजित की जा सकती हैं–

1. आर्कियन क्रम की चट्टानें
1. Rocks of Arcian Order

2. धारवाड़ क्रम की चट्टानें
The Rocks of Dharwad Order

3. पुरान संघ। Purana Group

4. आर्य समूह | Arya Group

5. गोंडवाना क्रम की चट्टाने
Gondwana Order Rocks

6. किर्टेशन कल्प। Kirteshus Kalpa

7. तृतीय शैल समूह।
Rocks Group

8. दक्कन ट्रैप। Deccan Trap

1. अर्कियन क्रम की चट्टानें | Rocks of Arcian Order.

- आर्कियन क्रम की चट्टाने मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा पाई जाती हैं। Archian rock rocks are the most found in Madhya Pradesh
- सबसे प्राचीन और प्राथमिक आग्नेय चट्टान है। The most ancient and primary is the igneous rock
- आर्कियन युग की चट्टाने सबसे कठोर चट्टान माने जाते है। The rock of the Arcian era are condideredn to be the hardest rock
- इस युग की चट्टानों में जीवाश्म के अवशेष नहीं पाए जाते है। Fossil remains are found in the rocks of this

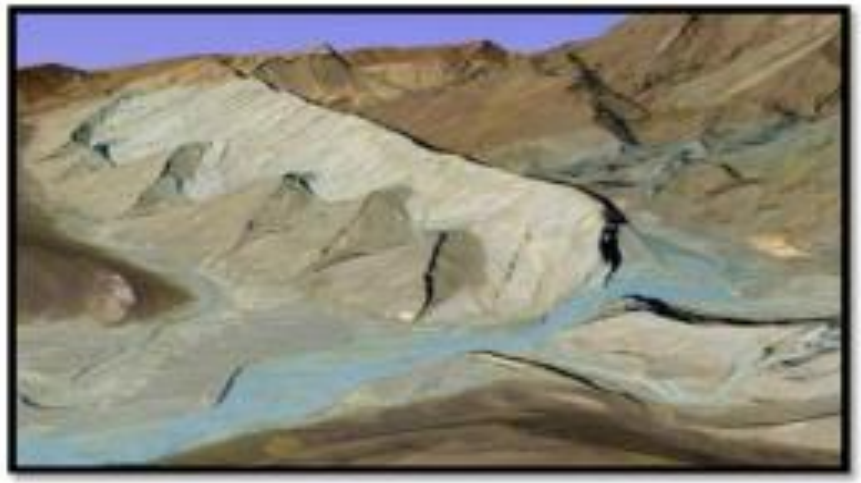

2. धारवाड़ क्रम की चट्टानें। The Rocks of the Dharwad order.

- सबसे प्राचीन अवसादी चट्टानें । Most Ancient Sedimental Rocks.
- इस युग की चट्टानें कर्नाटक के धारवाड़ व शिमोगा जिले में मिलती हैं इस कारण इसका नाम धारवाड पड़ा। The rocks of this era meet in Dharwad and Shimoga districts of Karnataka, which is way it was named Dharwad.
- मध्यप्रदेश में प्रमुख रूप से जबलपुर, बालाघाट एवं छिंदवाड़ा जिला में मिलती है। Madhya Pradesh mainly joins Jabalpur Balaghat and Chhindwara districts
- इस युग की चट्टानों में जीवाश्म के अवशेष नहीं पाए जाते है। Fossil remains are found in the rocks of this era

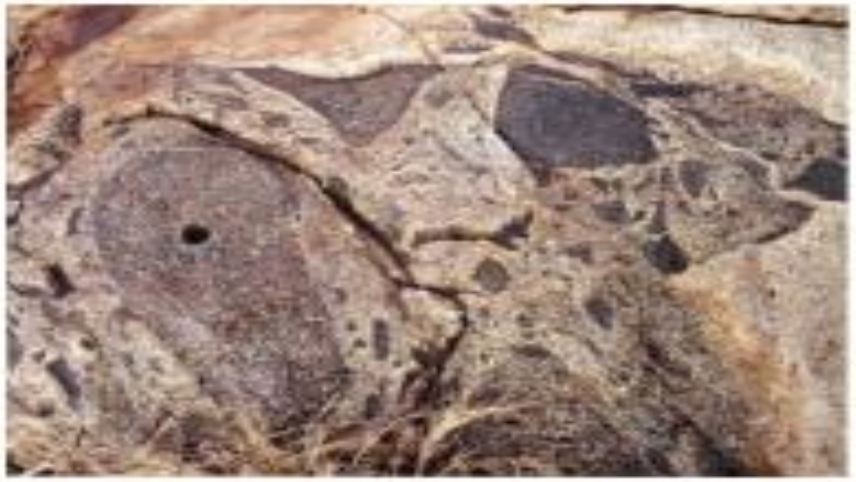

3. पुरान संघ | Purana Sangh

1. कड़प्पा समूह :– अबसादी चट्टान। Kadapa Group :- Sedimentary Rock

i. आंध्र प्रदेश के – कडप्पा जिले में विस्तृत

ii. मध्यप्रदेश में – पन्ना, ग्वालियर, बिजावर

i. Andhra Pradesh – Expanded in Kadapa district

ii. In Madhya Pradesh – Panna, Gwalior, Bijawar

1. कड़प्पा समूह :– अबसादी चट्टान। Kadapa Group :- Sedimentary Rock

i. इनका निर्माण कडप्पा चट्टानों के निक्षेपण से हुआ है। They are constructed through deposition of Kadapa rocks.

ii. इन चट्टानों में अल्प मात्रा में जीवाश्म पाए जाते हैं। A small amount of fossils are found in these rocks

iii. मध्यप्रदेश के पन्ना की खाने और कर्नाटक के गोलकुंडा की खान यहां से हीरा प्राप्त होता हैं यह चट्टाने विंध्य क्रम की चट्टाने है । The panna food of Madhya Pradesh and the Golkunda mine in th Karnataka receive a diamond from here , it is a rock of the rock vindhya order

4. आर्य समूह । Aryan Group

- इन चट्टानों की उत्पत्ति जली क्षेत्रों में अवसाद के निक्षेपण से हुई हैं। These rocks originated from the deposition of depression in burnt areas.

5. गोंडवाना क्रम की चट्टाने । Gondwana Order Rocks

- इन चट्टाने कार्बोनिफरस से जुरासिक कल के बीच हुआ था। It happened between the rocked carboniferous to Jurassic yesterday
- अधिकांश कोयला इन्हीं चट्टानों में पाया जाता है। Most of the coal is found in these rocks.

6. किर्टेशस कल्प । Cretaceous Period

- प्रदेश में किर्टेकस की चट्टानों में सिलिका चूने के पत्थर बालू पत्थर ग्रेअ तथा जीवाश्म के अवशेष पाए जाते हैं। Silica limestone sandstone great and fossil remains are found is the rocks of Kritios in the state.

7. तृतीय शैल समूह । Third Rock Group

- यह चट्टाने मध्यप्रदेश के दक्षिणी भाग में स्थित है। It is located in the southern part of Modhya Pradesh.
- इसी काल में नर्मदा सोन घाटी का निर्माण हुआ । Narmada Sone Valley was constructed during this period.

8. दक्कन ट्रैप। Deccan Trap

- इन्हें मेसोजोइक युग के अंतिम समय में निर्मित ज्वालामुखी आग्नेय चट्टान हैं। These are volcani igneous rocks built in the last hours of the Mesozoic era
- यह चट्टाने बहुत ही कठोर होती है दीघ्रा काल में इनके निक्षेपण से काली मृदा का निर्माण होता है। These rocks are very hard and their deposition in the period of time leads to the formation of black soil.

1. बेसाल्ट चट्टान	2. नीश चट्टाने
➢ बेसाल्ट लावा के धरातल पर आकार तेजी से जमने की वजह से इनका निर्माण होता है	➢ नीस कायांतरित शैल का इस प्रकार है
➢ इसलिए यह कड़ विहीन तथा गैर दावेदार रूप में पाई जाती हैं	➢ नीस चट्टानों का निर्माण ग्रेनाइट से होता है।
➢ प्रयोग मूर्ति निर्माण में	

मध्य प्रदेश की भौगोलिक विभाजन

- **मध्य उच्च प्रदेश**
  - मालवा का पठार
  - मध्य भारत का पठार
  - रीवा पन्ना का पठार
  - नर्मदा सोन घाटी
- **सतपुड़ा मैकल श्रेणी**
  - राजपीपला
  - सतपुड़ा श्रेणी
  - मेकल श्रेणी
- **पूर्वी पठार**
  - बघेलखंड

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

मध्यप्रदेश
भू आक्रतिक प्रदेश

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

मध्य प्रदेश की भौगोलिक विभाजन

1. मध्य भारत का पठार | Plateau of Central India.

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

- **भौगोलिक स्थिति :–** मध्य प्रदेश के उत्तर तथा उत्तर पश्चिम में स्थित है।
- **चट्टाने :–** हड़प्पा विंध्य क्रम तथा दक्कन ट्रैप
- **क्षेत्रफल :–** 32896 वर्ग किलोमीटर (मध्य प्रदेश का 10.68% हिस्सा)
- **जिले :–** शिवपुरी, भिंड, ग्वालियर, मुरैना, मंदसौर, ऊपरी – नीमच तथा गुना का पश्चिमी भाग
- **जलवायु :–** महाद्वीपीय प्रकार की जलवायु पाई जाती है गर्मी में अधिक गर्मी ठंड में अधिक ठंड
- **नदिया :–** चंबल प्रमुख नदी कालीसिंध क्षिप्रा पार्वती बदवाल कुंवारी आसन नदी मुरैना
- **वर्षा :–** 75 सेंटीमीटर से कम सबसे कम वर्षा (भिंड)

◆ मध्य प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान शिवपुरी मध्य भारत के पठार का हिस्सा है।

1. मध्य भारत का पठार | Plateau of Central India.

प्रमुख फसलें :–

- सरसों गहूं ज्वार कपास आदि

खनिज :–

- चीनी मिट्टी, चूना पत्थर, इमरती पत्थर

उद्योग :–

- भिंड मालनपुर औद्योगिक केंद्र, सूती कपड़ा उद्योग, ग्वालियर श्क्कर उद्योग, डबरा ग्वालियर कैलारस मुरैना खैर
- की कलड़ी से कत्थर बनाने का उद्योग शिवपुरी बानमौर मुरैना फर्नीचर उद्योग दियासलाई बनाने का कारखाना ग्वालियर

1. मध्य भारत का पठार | Plateau of Central India.

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

पर्यटन :–

- माधव राष्ट्रीय उद्यान, करेरा अभयारण्य शिवपुरी ग्वालियर दुर्ग जिला का सूर्य मंदिर जय विलास महल कूनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान, भिंड के अटेर किला, चंबल राष्ट्रीय अभ्यारण, मितावली मुरैया क चौसठ योगिनी मंदिर, गुजरी महल, सास बहू का मंदिर, तेली का मंदिर, हिडोला द्वारा आदि मुख्य हैं।

मुख्य जनजाति

- मुख्य जनजाति सहरिया सहरिया जनजाति संग्रहालय श्यौपुर में हैं

उप पठार या उप विभाजन

- उप पठार या उप विभाजन शिवपुरी का पठार, लश्कर का मैदान, ग्वालियर ग्वालियर का पठान, नीमच के कजारदा के पठार का कुछ भाग मुरैना का पठार

2. बुंदेलखंड का पठार

स्थिति :–

- मध्य उत्तरी भाग में नीस चट्टानों की अपरदित सतह |undulating surface of nice rocks in central northern part.

क्षेत्रफल :–

- 23733 वर्ग किलोमीटर (मध्य प्रदेश क 7.70 भाग)

जिले :–

- दतिया छतरपुर टीकमगढ़ निवाड़ी एवं शिवपुरी ग्वालियर एवं भिंड की कुछ तहसीलें तथा उत्तर प्रदेश का कुछ क्षेत्र शामिल हैं

जलवायु :–

- महाद्वीपीय प्रकार की है

2. बुंदेलखंड का पठार

- **वर्षा :–** औसत 75 से 100 सेंटीमीटर
- **मिट्टी :–** मिश्रित काली लाल
- **नदियां :–** बेतवा केन धसाल सिंध
- **फसलें :–** ज्वार गेहूं तिल अलसी
- **खनिज :–** ग्रेनाइट पत्थर, रॉक फास्फेट
- **उद्योग :–** चंदेरी का साड़ी उद्योग प्रमुख

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

2. बुंदेलखंड का पठार

पर्यटन

- विश्व प्रसिद्ध खजुराहों के मंदिर, ओरछा, निवाड़ी धुबेला संग्रहालय (छतरपुर), पितांबरा शक्ति पीठ– दतिया, सतखंडा महल– दतिया, जौहर कुंड, एवं खूनी दरवाजा आदि हैं।

3. मालवा का पठार

स्थिति :–
- उत्तर मध्य भारत में स्थित हैं
- कर्क रेखा किस के मध्य से गुजरती है

निर्माण :–
- ज्वालामुखी उद्गार से निकले लावे से इसका निर्माण हुआ है

क्षेत्रफल :–
- 88222 वर्ग किसी मध्य प्रदेश की 28% लगभग

वर्षा:–
- 100 से 125 सेंटीमीटर

3. मालवा का पठार। Malwa Plateau

विस्तार । Expantion

- इंदौर, उज्जैन, भोपाल,देवास, धार, झाबुआ, अशोकनगर, शाजापुर, आगर, मालवा, विदिशा, गुना, राजगढ़ सीहोर, रायसेन, मंदसौर आदि

मिट्टी । Soil

- काली मिट्टह

जलवायु । Climate

- सम जलवायु क्षेत्र।

❖ फह्यान ने मालवा की जलवायु को विश्व की सर्वश्रेष्ठ जलवायु कहा है

फसलें । Crops

- गेहूं, सोयाबीन, कपास, आदि
- पूर्वी मालवा, मुख्य – गेहूं

पर्यटन । Tourism

- उज्जैन, सांची का स्तूप, भीमबेटका की गुफाएं आदि

❖ इसे गेहूं की डलिया कहा जाता है

4. रीवा पन्ना का पठार

क्षेत्रफल :–

- मध्या प्रदेश का – 10.37 %

जिले :–

- रीवा, सतना, पन्ना, दमोह, सागर

खनिज :–

- हीरा – पन्ना
- चूना पत्थर – सतना

नदियां :–

- टोंस, कैन, बीहड़ आदि

4. रीवा पन्ना का पठार

वर्षा । Rain:– • 100 सेंटीमीटर 125 सेंटीमीटर

जलवायु । Climate • महाद्वीपीय

मिट्टी । Soil • बलुआ दोमट मिट्टी

फसलें । Crops • गेहूं ज्वार आदि

पर्यटन । Tourism • मैहर शारदा मां का मंदिर

- मध्य प्रदेश का सबसे ऊंचा जलप्रपात :– बहुटी
- ऊंचाई – 142 मीटर
- नदी – सेलर रीवा

नर्मदा सोन की घाटी | Valley of Narmada Son

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

क्षेत्रफल | Area :-

- कुल क्षेत्रफल 86000 वर्ग किलोमीटर है प्रतिशत में 27.89 है | The total area is 86000 square kilometers, the percentage is 27.89.

जिले | District :-

- जबलपुर ,मंडला ,कटनी ,होशंगाबाद ,नरसिंहपुर ,हरदा ,खंडवा, खरगोन ,देवास ,सीहोर ,रायसेन, बड़वानी सीधी ,सिंगरौली जिले का भी भाग आता है धार अलीराजपुर का कुछ भाग

जलवायु | Climate :-

- मानसूनी प्रकार की जिसमें गर्मी में अधिक गर्मी तथा ठंड में साधारण ठंड | Extreme cold in summer and cold in winter

वर्षा | Rain :-

- इसमें 125 सेंटीमीटर औसत वर्षा होती है | It has an average rainfall of 125 cm

नर्मदा सोन की घाटी । Valley of Narmada Son

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

मिट्टी। Soil :-

- इस पठार में गहरी काली मिट्टी पाई जाती है। Deep black soil is found is this Plateau

नदियां। Rivers :-

- नर्मदा सोन घाटी क्षेत्र की नदियों में नर्मदा सोन दवा दूधी भी शामिल है। The river of Narmada Son Valley region also include Narmada Son Dawa Dudhi.

फसल। Crop :-

- कृषि की दृष्टि से संपन्न क्षेत्र है जिसमें गेहूं का उत्पादन मुख्य रूप से होता है साथ ही चावल, कपास मूंगफली सोयाबीन अन्य फसलें हैं। Agriculture is a rich area is wich wheat is mainly produced as well as rice, cotton, groundnut, Soybean are other crops

वनस्पति। Vegetation :-

- उष्णकटिबंधीय मानसूनी वन जैसे – सागौन, तेंदू, सवाई , घास, सलाई, सेमल। Tropical Monsoon Forests like Teak Tendu Sawai Grass Salai Semal

नर्मदा सोन की घाटी । Valley of Narmada Son

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

खनिज । Minerals :-

- सफेद संगमरमर (भेड़ाघाट जबलपुर) कोयला चूना पत्थर डोलोमाइट (कटनी जबलपुर नरसिंहपुर टंगस्टन (अगर गांव) चीनी मिट्टी (जबलपुर) सुरमा (जबलपुर)

उद्योग । Industry :-

- सीमेंट उद्योग (कटनी) चीनी मिट्टी से बर्तन बनाने का कारखाना (जबलपुर) गन कैरिज फैक्ट्री गवर्नमेंट ऑर्डिनेंस फैक्ट्री (जबलपुर) सिक्योरिटी पेपर मिल (होशंगाबाद)

पर्यटन । Tourism :-

- चौसठ योगिनी मंदिर (भेड़ाघाट जबलपुर) ओम्कारोश्वर ज्योतिर्लिंग (खंडवा) हनुमंतिया खंडवा महेश्वर (खरगोन) बावन गजा (बड़वानी)

मध्यभारत का पठार

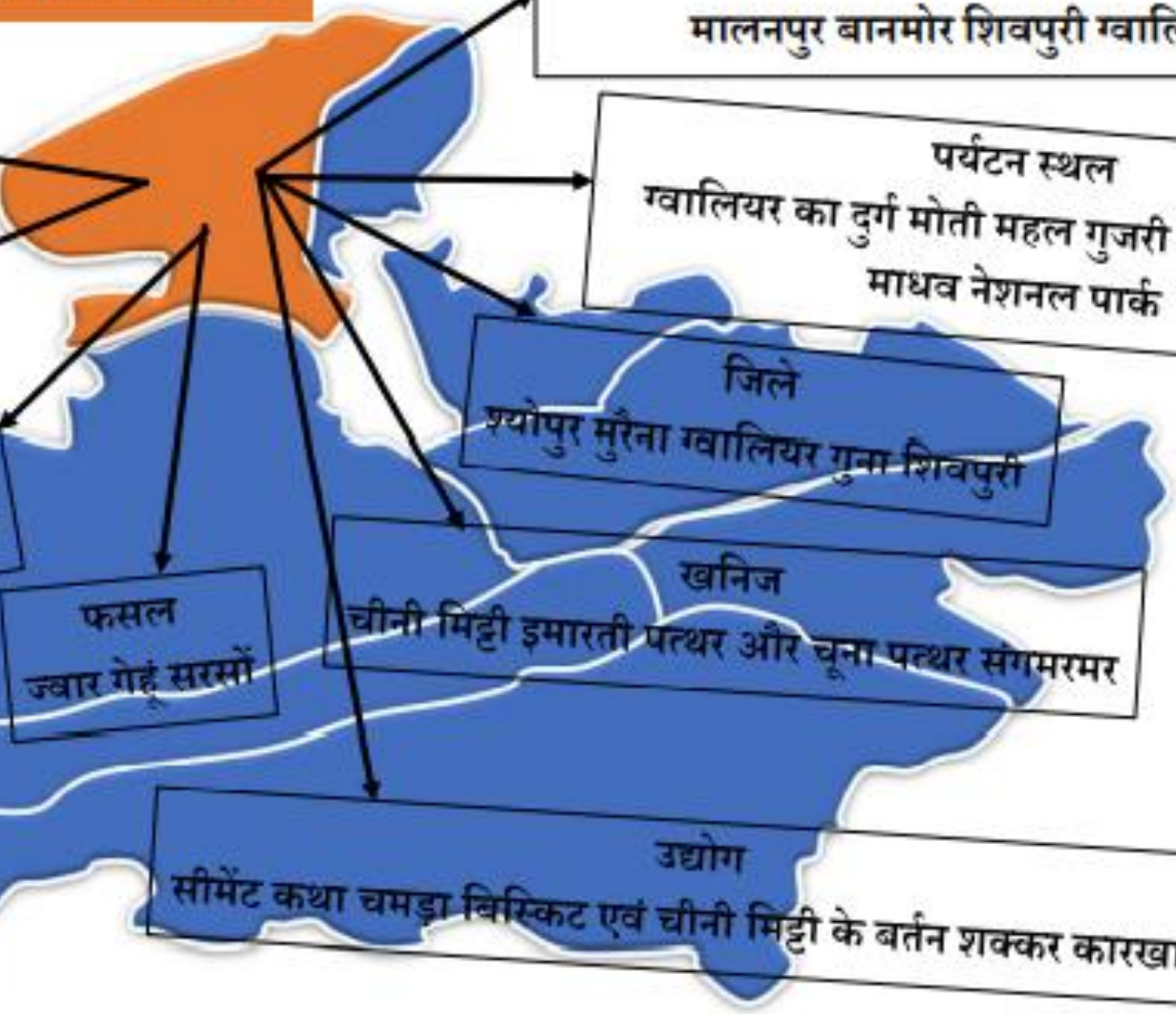

नदियां
चंबल पार्वती कालीसिंध सिंध

अवस्थिति
20' 10 से 26'48 उत्तरी अक्षांश तथा
74' 50 से 79 ' 10 पूर्वी देशांतर

मृदा
जलोढ़ एवं काली

फसल
ज्वार गेहूं सरसों

औद्योगिक केंद्र
मालनपुर बानमोर शिवपुरी ग्वालियर

पर्यटन स्थल
ग्वालियर का दुर्ग मोती महल गुजरी महल शिवपुरी
माधव नेशनल पार्क

जिले
श्योपुर मुरैना ग्वालियर गुना शिवपुरी

खनिज
चीनी मिट्टी इमारती पत्थर और चूना पत्थर संगमरमर

उद्योग
सीमेंट कथा चमड़ा बिस्किट एवं चीनी मिट्टी के बर्तन शक्कर कारखाना

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

बुंदेलखंड का पठार

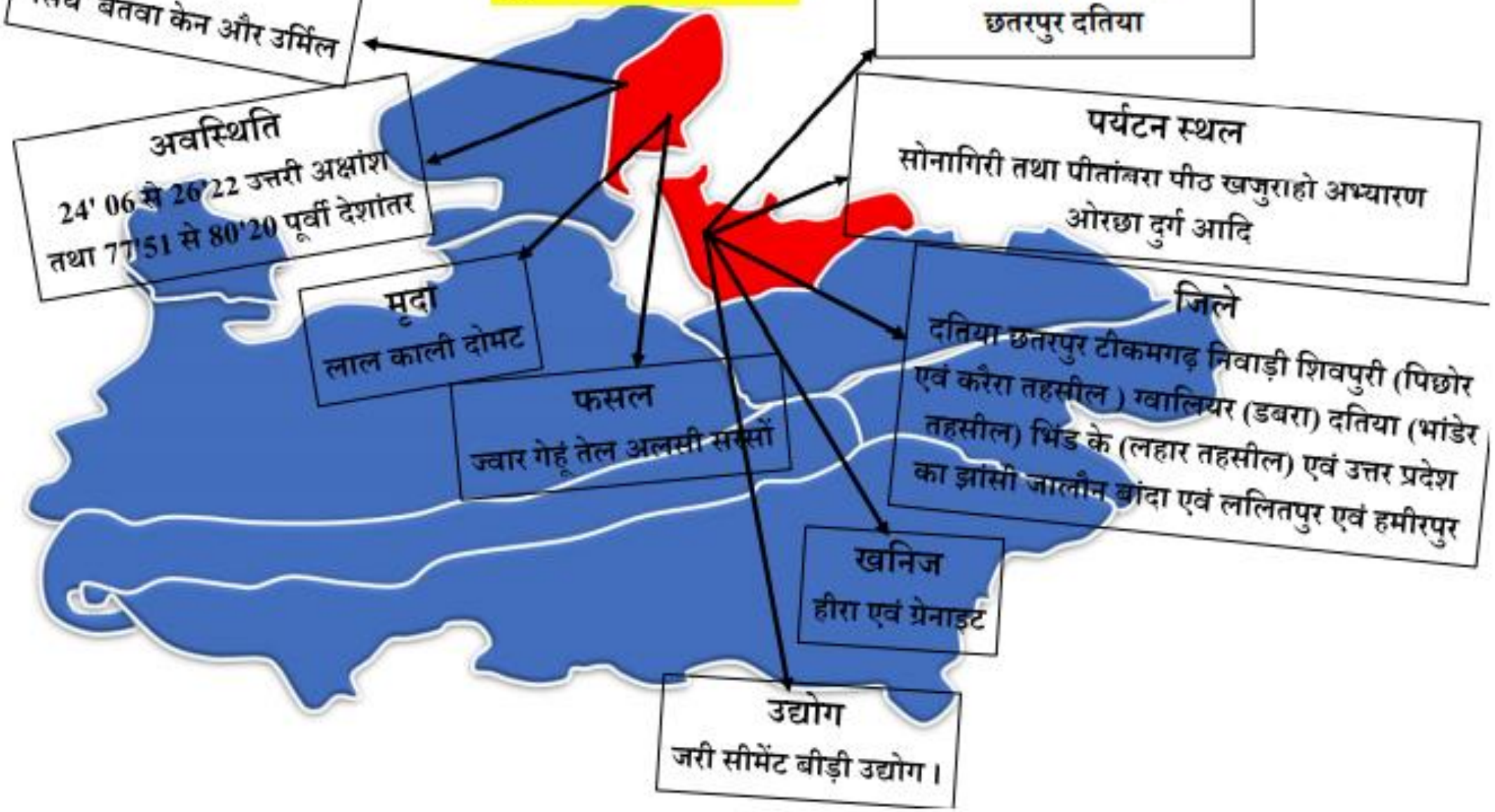

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

रीवा पन्ना का पठार

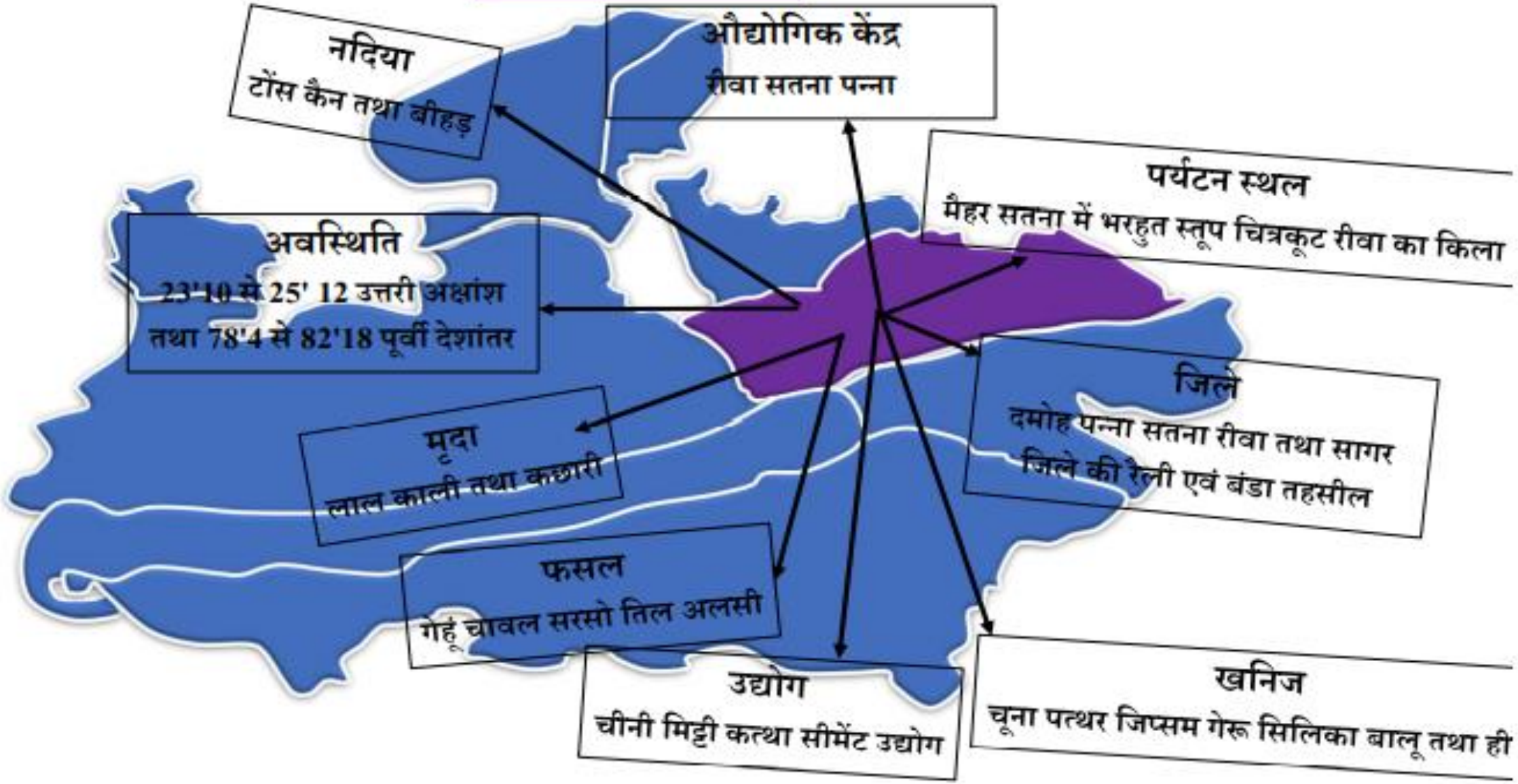
नदिया
टोंस कैन तथा बीहड़
औद्योगिक केंद्र
रीवा सतना पन्ना
पर्यटन स्थल
मैहर सतना में भरहुत स्तूप चित्रकूट रीवा का किला
अवस्थिति
23'10 से 25' 12 उत्तरी अक्षांश
तथा 78'4 से 82'18 पूर्वी देशांतर
जिले
दमोह पन्ना सतना रीवा तथा सागर
जिले की रैली एवं बंडा तहसील
मृदा
लाल काली तथा कछारी
फसल
गेहूं चावल सरसो तिल अलसी
उद्योग
चीनी मिट्टी कत्था सीमेंट उद्योग
खनिज
चूना पत्थर जिप्सम गेरू सिलिका बालू तथा ही

मालवा का पठार

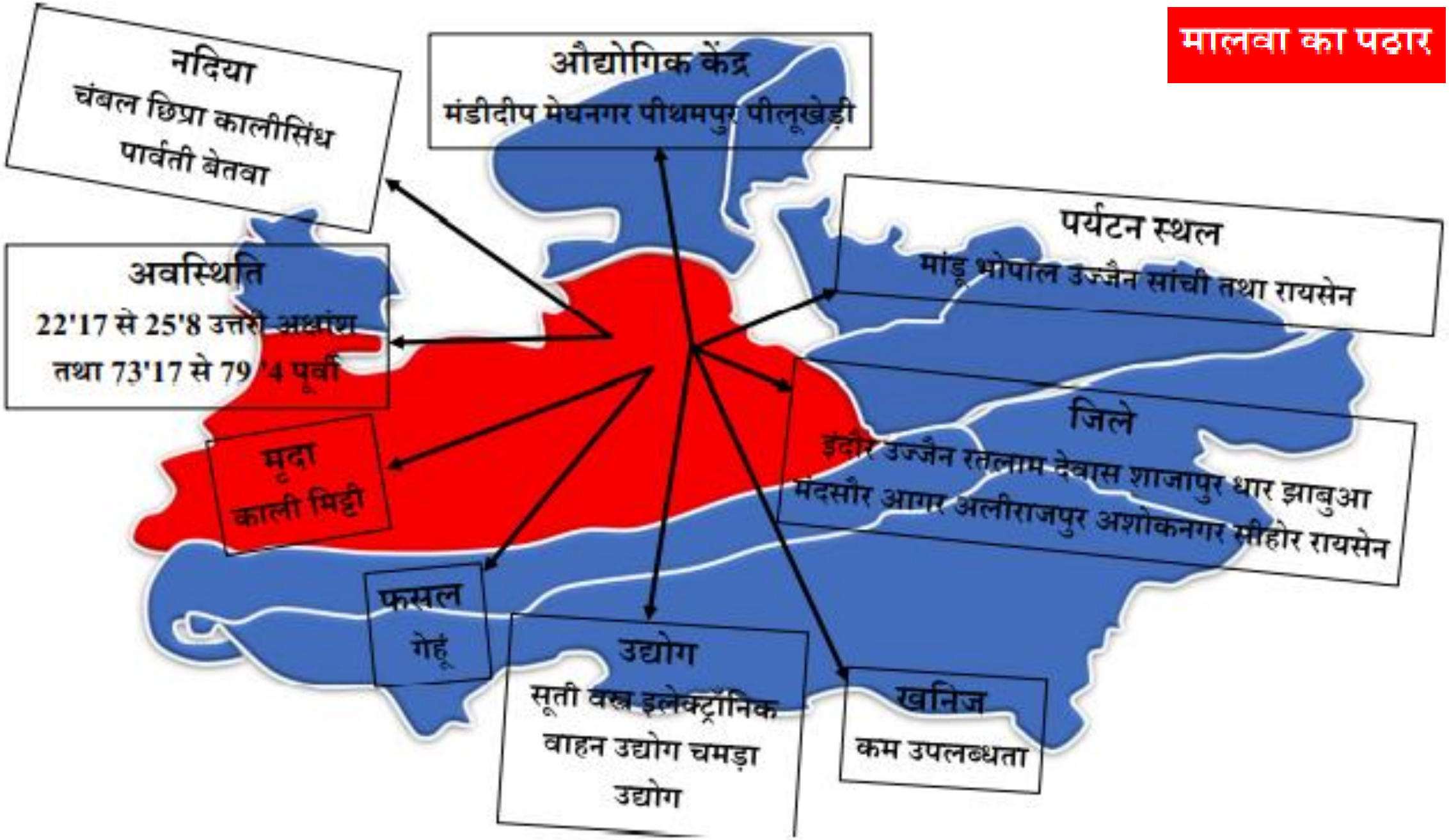
नदिया
चंबल छिप्रा कालीसिंध
पार्वती बेतवा
औद्योगिक केंद्र
मंडीदीप मेघनगर पीथमपुर पीलूखेड़ी
पर्यटन स्थल
मांडू भोपाल उज्जैन सांची तथा रायसेन
अवस्थिति
22'17 से 25'8 उत्तरी अक्षांश
तथा 73'17 से 79 '4 पूर्वी
जिले
इंदौर उज्जैन रतलाम देवास शाजापुर धार झाबुआ
मंदसौर आगर अलीराजपुर अशोकनगर सीहोर रायसेन
मृदा
काली मिट्टी
फसल
गेहूं
उद्योग
सूती वस्त्र इलेक्ट्रॉनिक
वाहन उद्योग चमड़ा
उद्योग
खनिज
कम उपलब्धता

नर्मदा सोन घाटी

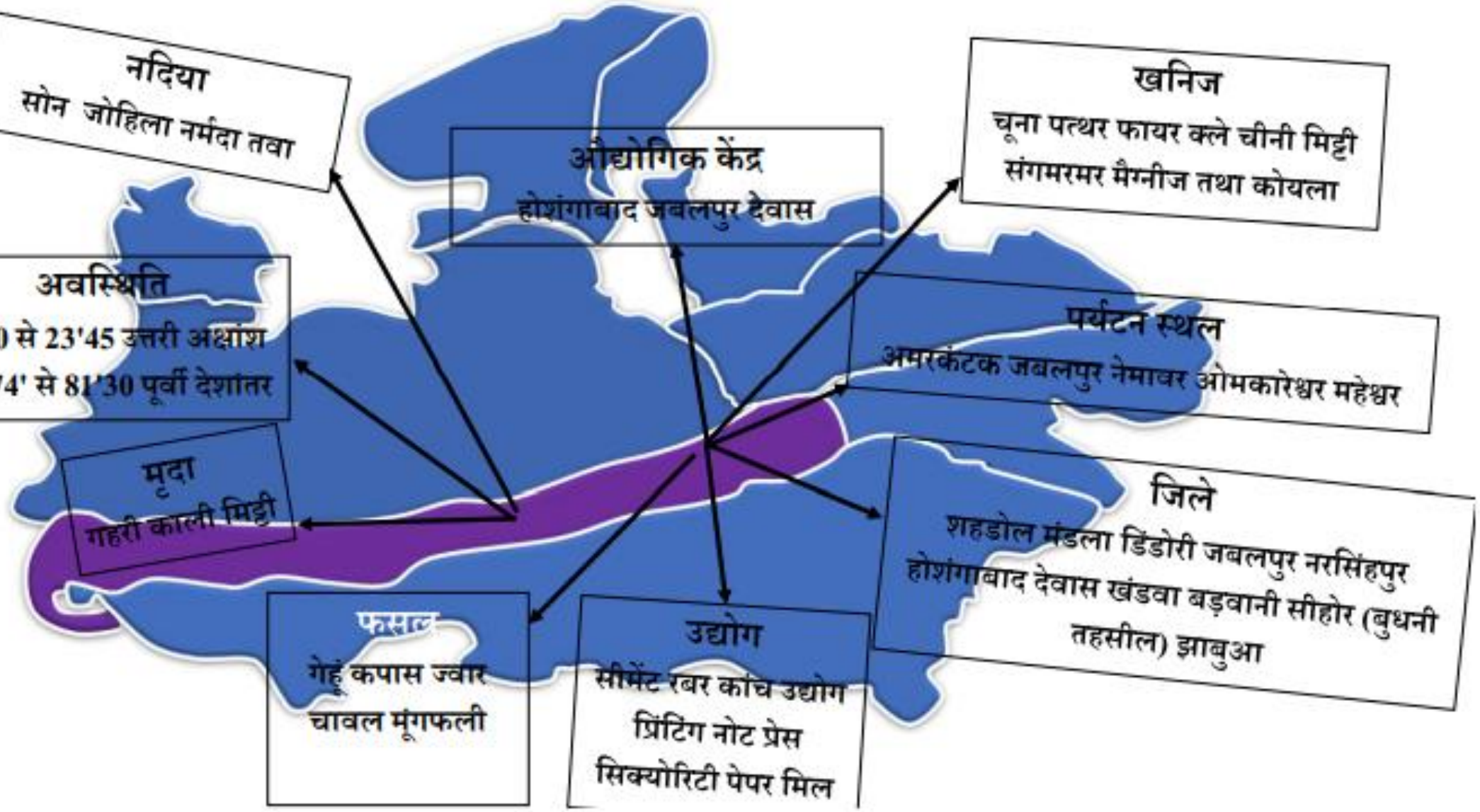
नदिया
सोन जोहिला नर्मदा तवा
औद्योगिक केंद्र
होशंगाबाद जबलपुर देवास
खनिज
चूना पत्थर फायर क्ले चीनी मिट्टी
संगमरमर मैग्नीज तथा कोयला
अवस्थिति
22'30 से 23'45 उत्तरी अक्षांश
तथा 74' से 81'30 पूर्वी देशांतर
पर्यटन स्थल
अमरकंटक जबलपुर नेमावर ओमकारेश्वर महेश्वर
मृदा
गहरी काली मिट्टी
जिले
शहडोल मंडला डिंडोरी जबलपुर नरसिंहपुर
होशंगाबाद देवास खंडवा बड़वानी सीहोर (बुधनी
तहसील) झाबुआ
फसल
गेहूं कपास ज्वार
चावल मूंगफली
उद्योग
सीमेंट रबर कांच उद्योग
प्रिंटिंग नोट प्रेस
सिक्योरिटी पेपर मिल

सतपुड़ा मैकल श्रेणी

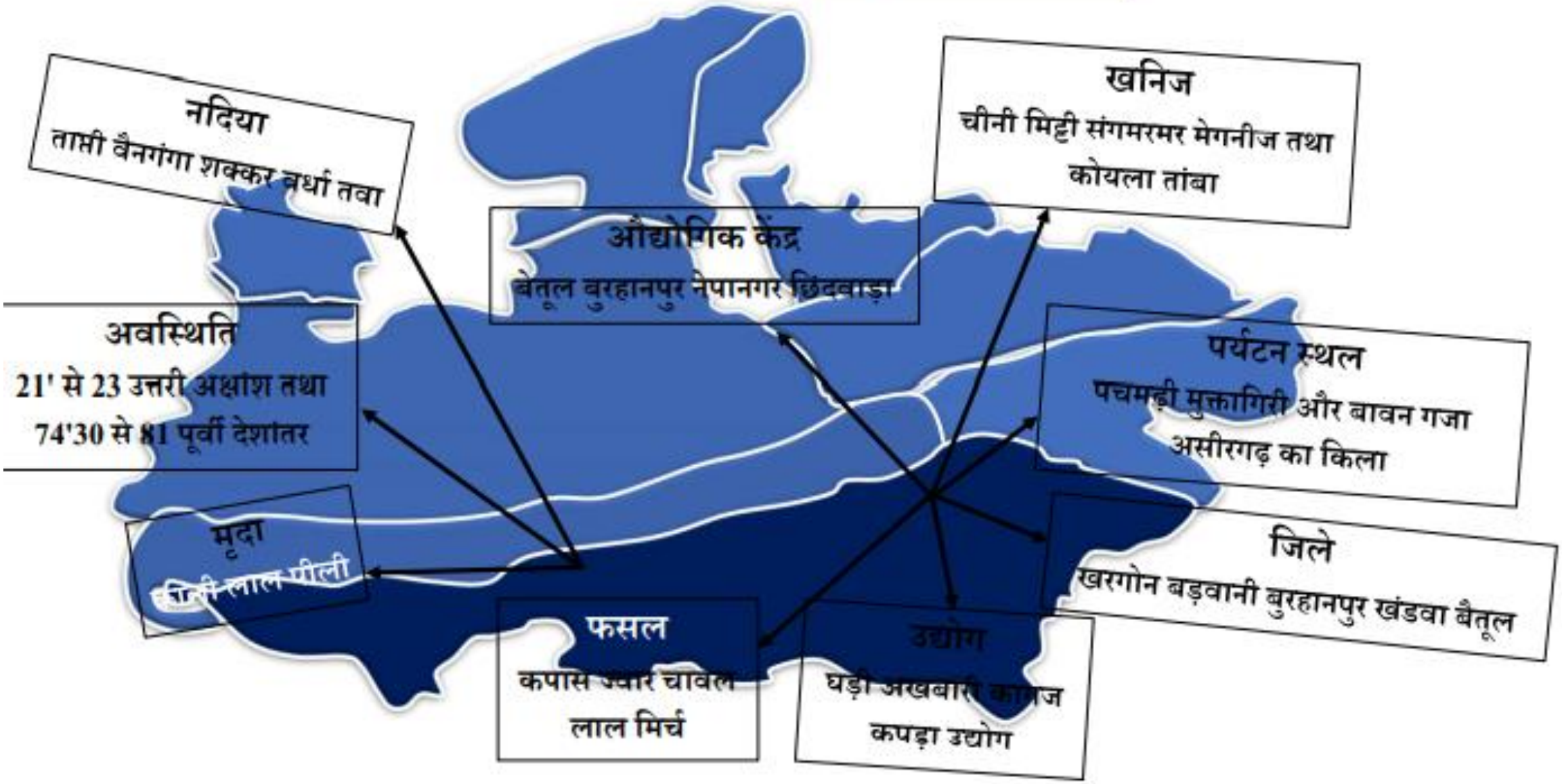
नदिया
ताप्ती वैनगंगा शक्कर बर्धा तवा
खनिज
चीनी मिट्टी संगमरमर मेगनीज तथा
कोयला तांबा
औद्योगिक केंद्र
बेतूल बुरहानपुर नेपानगर छिंदवाड़ा
अवस्थिति
21' से 23 उत्तरी अक्षांश तथा
74'30 से 81 पूर्वी देशांतर
पर्यटन स्थल
पचमढ़ी मुक्तागिरी और बावन गजा
असीरगढ़ का किला
मृदा
काली लाल पीली
जिले
खरगोन बड़वानी बुरहानपुर खंडवा बैतूल
फसल
कपास ज्वार चावल
लाल मिर्च
उद्योग
घड़ी अखबारी कागज
कपड़ा उद्योग

बघेलखंड का पठार

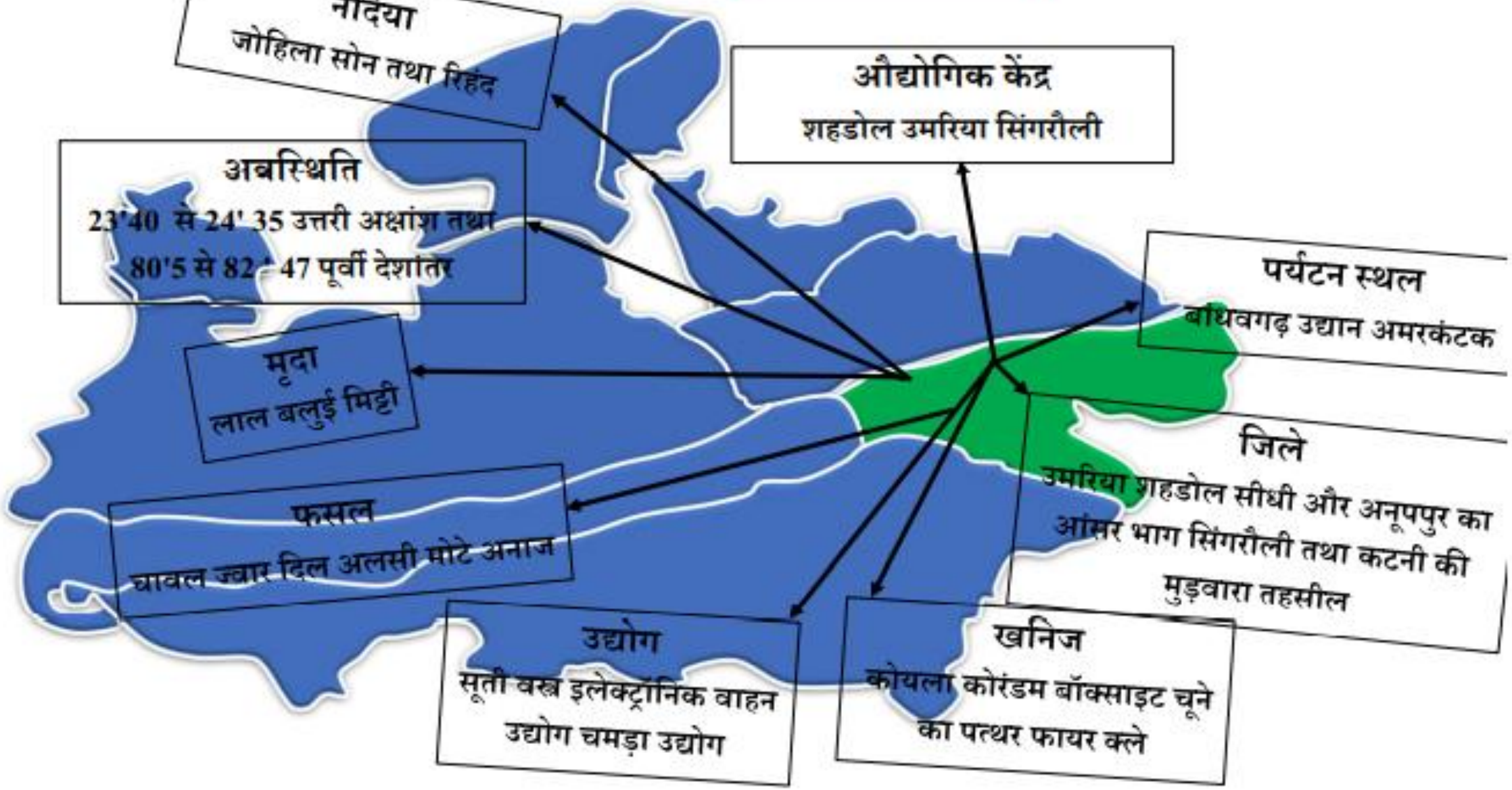
नदिया
जोहिला सोन तथा रिहंद
औद्योगिक केंद्र
शहडोल उमरिया सिंगरौली
अवस्थिति
23'40 से 24' 35 उत्तरी अक्षांश तथा
80'5 से 82' 47 पूर्वी देशांतर
पर्यटन स्थल
बांधवगढ़ उद्यान अमरकंटक
मृदा
लाल बलुई मिट्टी
जिले
उमरिया शहडोल सीधी और अनूपपुर का
आंशिक भाग सिंगरौली तथा कटनी की
मुड़वारा तहसील
फसल
चावल ज्वार दिल अलसी मोटे अनाज
उद्योग
सूती वस्त्र इलेक्ट्रॉनिक वाहन
उद्योग चमड़ा उद्योग
खनिज
कोयला कोरंडम बॉक्साइट चूने
का पत्थर फायर क्ले

मध्यप्रदेश की प्रमुख पर्वत | Mountains of Madhya Pradesh

- मध्यप्रदेश में प्रमुख रूप से दो पर्वत श्रणियां स्थित है। Two mountains are mainly located in Madhya Pradesh.
- इन दोनों पर्वतों के बीच नर्मदा भंश घाटी है। Between these two mountains there is the Narmada Fault Valley.
- इसी क्षेत्र में नर्मदा नदी प्रवाहित होती है। जिसका ढाल पूर्व से पश्चिम की ओर है। In this area, the river Narmada flows which goes east to west.

मध्यप्रदेश में दो पर्वत श्रेणियां । Two Mountain range in Madhya Pradesh

- विंध्यांचल पर्वत श्रेणी | Vindhyachal Mountain Range
- सतपुड़ा पर्वत श्रेणी | Satpura Mountain Range

पर्वत श्रेणी | Range :- समान आयु के पर्वतों के समूह को पर्वत श्रेणी कहा जाता है | Group at same age mountains are called range

विंध्याचल पर्वत श्रेणी | Vindhyanchal mountain range

- विंध्यांचल | Vindhyanchal
- भांडेर | Bhander
- कैमूर | Kaimour

विंध्याचल पर्वत श्रेणी | Vindhyanchal Mountain Range

- विंध्यांचल पर्वत भ्रंश पर्वत या कागर भूमि का उदाहरण है | Vindhyanchal Mountain is an example of the bhresh mountain or kagar land.
- यह नर्मदा नदी के उत्तर में उसके समांतर स्थित है | It is located parallel to the north of the river Narmada.
- इसका विस्तार गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार सासाराम तक है | It extends to Gujarat, Madhya Pradesh Uttar Pradesh and Bihar, Sasaram
- विंध्याचल पर्वत मध्य प्रदेश की सबसे प्राचीन श्रेणी होने के साथ ही विश्व की सबसे प्राचीनतम श्रेणियों में से एक है | Vindhyachal Mountain is one of the oldest categories in the world with the oldest category of M.P.

*** यह हिमालय से भी अधिक प्राचीन है |
It is even more ancient than the Himalayas

विंध्याचल पर्वत श्रेणी | Vindhyanchal mountain range

भांडेर | Bhander

सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर

↓

भांडेर पर्वत की सबसे ऊंची चोटी | Highest peak of Nephew Mountain

↓

सद्भावना (गुडविल) हिल (752 मी.) | Goodwill (Goodwill) Hill (7.52 m) दमोह, ऊंचाई

कैमूर | Kaimour

सतना | Satna

↓

त्रिकुटा पर्वत | Mount Trikuta

↓

मैहर मां शारदा मंदिर | Maihar Maa Sharda Temple (1065 सीढ़ियां)

सतपुड़ा पर्वत श्रेणी | Satpura Mountain Range

- राजपीपला श्रेणी | Rajpipla Range
- महादेव श्रेणी | Mahadev Range
- मैकाल श्रेणी | Macal Range

- सतपुड़ा पर्वत श्रेणी ब्लॉक पर्वत का उदाहरण है | Satpura mountain range is an example of block mountain
- सतपुड़ा पर्वत के उत्तर में नर्मदा की दरार घाटी एवं दक्षिण में ताप्ती की दरार घाटी स्थित है |The Rift Valley of Narmada is situated in the north of Satpura mountain and the Rift valley of Tapti in the south
- इसकी सबसे ऊंची चोटी धूपगढ़ है धूपगढ़ की लंबाई 1350 मीटर है यह पचमढ़ी के महादेव पहाड़ियों में स्थित है| Its highest peak is Dhupgarh. Dhupgarh has a length of 1350 meters. It is situated in the Mahadev Hills of Pachmarhi.

- धूपगढ़ मध्य प्रदेश की सबसे ऊंची चोटी है | Dhupgarh is the highest peak of Madhya Pradesh.

सतपुड़ा पर्वत श्रेणी
Satpura Range

राजपीपला पहाड़ी | Rajpipla Hill

- चूलागिरी पहाड़ी | Chulagiri Hill
- असीरगढ़ पहाड़ियां | Asirgarh Hills
- बीजागढ़ पहाड़ियां | Bijagarh hills
- बड़वानी पहाड़ियां | Barwani Hills
- अखरानी हिल्स | Akharani Hills

महादेव पर्वत पहाड़ी मध्य सतपुड़ा श्रेणी

मध्य प्रदेश

Madhya Pradesh

सबसे ऊंची चोटी - धूपगढ़ (1350 मीटर)

मैकल पर्वत

अमरकंटक की पहाड़ी

अचानकमार

MP 1/3 भाग CG 2/3 भाग

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

जलवायु के आधार पर मध्य प्रदेश का वर्गीकरण | Classification of Madhya Pradesh by Climate

1. उत्तर का मैदानी क्षेत्र | North Plains
2. मालवा का पठारी क्षेत्र | Plateau region of Malwa
3. विन्ध्य का पहाड़ी क्षेत्र | Mountainous area of Vindhya
4. नर्मदा घाटी क्षेत्र | Narmada Valley Region

मध्यप्रदेश
जलवायु प्रदेश

मध्य प्रदेश की जलवायु | Climate of Madhya Pradesh

- पूरे देश की तरह मध्य प्रदेश की जलवायु भी उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु है | Like the whole country, the climate of Madhya Pradesh is also a tropical monsoon climate
- मध्य प्रदेश की जलवायु को उष्णकटिबंधीय स्वरूप प्रदान करने के लिए प्रदेश के मध्य से गुजरने वाली कर्क रेखा उत्तरदाई है | The Tropic of Cancer is responsible for the middle of the state to give tropical shape to the climate of Madhya Pradesh.
- दक्षिण पश्चिम मानसून से प्राप्त होने वाली वर्षा इसे मानसूनी जलवायु का स्वरूप प्रदान करती है | The rainfall from the southwest monsoon gives it the nature of the monsoon climate.
- मध्यप्रदेश में तीन प्रकार की ऋतु में पाई जाती हैं | In Madhya Pradesh, there are three types of seasons.

1. उत्तर का मैदानी क्षेत्र

- इसमें बुन्देलखण्ड, रीवा पन्ना का पठार व मध्य भारत का पठार क्षेत्र स्थित है।
- इस क्षेत्र की जलवायु महाद्वीपीय प्रकार की है।
- मध्य प्रदेश के उत्तर में स्थित यह क्षेत्र समुद्र से अत्यधिक दूरी तथा हिमालय के समीप है।
- समुद्र से दूर होने के कारण यहां गर्मियों में अधिक गर्मी एवं सर्दियों में अधिक सर्दी पड़ती है।
- मध्य प्रदेश के सबसे गर्म सीनों में शामिल खजुराहों तथा सबसे ठण्डा सीन शिवपुरी इस क्षेत्र में स्थित है।

2. मालवा का पठारी क्षेत्र

- यह समजलवायु वाला क्षेत्र है।
- चीनी यात्री फाह्यान ने इसे सर्वश्रेष्ठ जलवायु वाले क्षेत्र के रूप में वर्णित किया है।
- इस क्षेत्र में ग्राष्म ऋतु में न तो अधिक गर्मी पड़ती है और न ही शीत ऋतु अधिक ठंडी होती है
- यहां सबसे अधिक वर्षा अरब सागर के मानसून से होती है।
- यह सबसे अच्छी जलवायु वाला क्षेत्र है।

3. विंध्य का पहाड़ी क्षेत्र

- यह **समजलवायु क्षेत्र** है।
- इनमें **अधिक गर्मी नहीं** पड़ती और ठंड में भी **साधारण ठंड** पड़ती है।
- **पंचमढ़ी एवं अमरकंटक** इसी क्षेत्र के अन्तर्गत आते है।

4. नर्मदा घाटी क्षेत्र

- यह क्षेत्र **कर्क रेखा के लगभग समानान्तर** होने के कारण गर्मियों में इस क्षेत्र में तेज गर्मी पड़ती है, लेकिन सर्दियों में सर्दी सामान्य ही रहती है।

मध्यप्रदेश में जलवायु क्षेत्र

क्र .	जलवायु क्षेत्र	जलवायु विशेषता
1.	विंध्य पर्वतीय क्षेत्र	ग्रीष्म ऋतु कम गर्म तथा शीत ऋतु साधारण ठंडी
2.	मालवा पठार	ग्रीष्म ऋतु सामान्य गर्म तथा शीत ऋतु सामान्य ठंडी
3.	बघेलखंड पठार	ग्रीष्म ऋतु अधिक गर्म तथा शीत ऋतु सामान्य ठंडी
4.	नर्मदा घाटी क्षेत्र	ग्रीष्म ऋतु अत्यधिक गर्म तथा शीत ऋतु साधारण ठंडी
5.	उत्तर का मैदान	ग्रीष्म ऋतु अधिक गर्म तथा शीत ऋतु अधिक ठंडी

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

➢ मध्य प्रदेश की जलवायु को विद्वानों ने इस प्रकार वर्गीकृत किया है -

क्र.	विद्वान का नाम	भाग	प्रकार	आधार
1.	ए. आर. सुब्रमण्यम तथा टी. श्रीमन्नारायण (1991)	तीन भागों में	(1) अर्ध शुष्क अथवा स्टेपी (2) गर्म शीतोष्ण वर्षा जलवायु (3) उष्णकटिबंधीय आद्र एवं शुष्क जलवायु	तापमान एवं वर्षा के वितरण के आधार पर
2.	कोपन ने	दो भागों में	(1) उष्णकटिबंधीय सवाना जलवायु (2) शुष्क शीत मानसूनी जलवायु	दक्षिण पश्चिम व पश्चिमी भाग
3.	थार्न थ्वेट ने	तीन भागों में	(1) तर अल्पद्रा जलवायु (2) शुष्क अल्पाद्र जलवायु (3) अर्ध - शुष्क जलवायु	तापमान वर्षा और जल संतुल न के आधार पर

1. शीत ऋतु

- राज्य में **नवम्बर से फरवरी** तक शीत ऋतु रहती है।
- इस ऋतु में सूर्य की स्थिति भू– मध्य रेखा के दक्षिण में होती है, जिससे प्रदेश का तापमान कम रहता हैं।
- **इस ऋतु को सियाला** भी कहते है।
- ठण्ड का प्रभाव कर्क रेखा के उत्तर में स्थित प्रदेश के भाग पर अत्यधिक होता है।
- मध्यदेश में शीतकालीन वर्षा पश्चिमी विक्षोभ का परिणाम है।

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

1. शीत ऋतु

- प्रदेश में शीतकाल में पश्चिमी विक्षोभ से होने वाली वर्षा को मानव कहते है, जिससे रबी की फसलों को लाभ होता है।
- मध्य प्रदेश में सबसे कम तापमान दिसम्बर एवं जनवरी माह में होता हैं।
- दिसम्बर से जनवरी के मध्य ठंड का प्रकोप सर्वाधिक होता है।
- *आधिकारिक रूप से शिवपुरी प्रदेश का सबसे ठण्डा स्थल है।

2. ग्रीष्म ऋतु | Summer

- इस ऋतु में तापमान मार्च से जून तक लगातार बढ़ता जाता है , क्योंकि इस समय सूर्य उत्तरायण होता है । In this season, the temperature increases steadily from March to June, as the sun is uttarayan at this time.
- इस ऋतु को युनाला भी कहते हैं । This season is also called Yunala.
- प्रदेश का अधिकतम तापमान मई माह में रहता है । The maximum temperature of the state remains in the month of May.
- मध्य प्रदेश का सर्वाधिक गर्म स्थान गंजबसौदा (विदिशा) है । The hottest place in Madhya Pradesh is Ganjbada (Vidisha).
- इसके अलावा बड़वानी , ग्वालियर , दतिया , खजुराहो (छतरपुर) , नौगांव (छतरपुर) भी अत्यधिक गर्म क्षेत्र हैं । Besides, Barwani, Gwalior, Datia, Khajuraho (Chattarpur), Nagaon (Chattarpur) are also very hot areas.

3. वर्षा ऋतु | Rainy season

- राज्य में मध्य जून से सितम्बर तक वर्षा ऋतु का समय होता है।
- मध्य प्रदेश में वर्षा दक्षिण –पश्चिम मानसून से होती है।
- राज्य में वर्षा दक्षिण –पश्चिम मानसून की बंगाल की खाड़ी और अरब सागर दोनों ही शाखाओं से होती हैं।
- मध्य प्रदेश में दक्षिण–पश्चिम मानसून(बंगाल की खाड़ी) द्वारा सबसे अधिक वर्षा प्राप्त होती है
- प्रदेश में सर्वाधिक वर्षा जुलाई व अगस्त माह में होती है।
- मध्य प्रदेश में औसत वार्षिक वर्षा 112 समी है।

3. वर्षा ऋतु | Rainy season

- सबसे अधिक वर्षा पचमढ़ी, होशंगाबाद (मध्य प्रदेश का चेरापूंजी) में 199 सेमी. होती है।
- सबसे कम वर्षा भिण्ड में मात्र 55 सेमी होती है।
- पूर्वी व दक्षिणी – पूर्वी मध्य प्रदेश में वर्षा ज्यादा होती है, जबकि पश्चिमी मध्य प्रदेश व उत्तर–पश्चिमी मध्य प्रदेश में प्रदेश में अपेक्षाकृत कम ।
- इस ऋत को चौमासा भी कहते है।
- मध्य प्रदेश में पूर्व से पश्चिम एवं दक्षिण से उत्तर की ओर वर्षा की मात्रा क्रमशः घटती जाती है।

मध्यप्रदेश वर्षा वितरण

महत्वपूर्ण तथ्य | Important Facts!

- मध्य प्रदेश का औसतन तापमान 21° C आंका गया है । The average temperature of Madhya Pradesh is estimated at 21°C.
- सितम्बर - अक्टूबर माह में पड़ने वाली गर्मी को प्रदेश की द्वितीय ग्रीष्म ऋतु कहा जाता है । The heat in the month of September-October is called the second summer season of the state.
- मध्य प्रदेश के लगभग सभी भागों में दैनिक तापान्तर मार्च माह में सर्वाधिक रहता है । In almost all parts of Madhya Pradesh, daily temperature remains the highest in the month of March.
- मध्य प्रदेश में ऋतु सम्बन्धी आंकड़े एकत्रित करने वाली ऋतु वेधशाला इंदौर में है । In Madhya Pradesh, the weather observatory collecting weather data is at Indore.
- प्रदेश के विन्ध्य क्षेत्र में अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी दोनों मानसूनों से वर्षा होती है । Both the Arabian Sea and the Bay of Bengal are raining in the Vindhya region of the state.

मुरैना
भिंड
ग्वालियर
श्योपुर
दतिया
शिवपुरी
नीमच
मंदसौर
गुना
अशोक नगर
टीकमगढ़
छतरपुर
पन्ना
सतना
रीवा
सिंगरोली
सीधी
आगर
राजगढ़
विदिशा
सागर
दमोह
कटनी
शहडोल
उमरिया
रतलाम
उज्जैन
शाजापुर
भोपाल
जबलपुर
झाबुआ
इंदौर
सीहोर
नरसिंहपुर
डिंडोरी
अनूपपुर
अलीराजपुर
धार
देवास
होशंगाबाद
मंडला
हरदा
सिवनी
छिंदवाड़ा
खरगोन
खंडवा
बैतूल
बालाघाट
बड़वानी
बुरहानपुर

मृदा | Soil

- **मृदा** शब्द की उत्पत्ति **लैटिन** भाषा के **शब्द सोलम** (Solum) से हुई है | जिसका **अर्थ** है **फर्श** (floor) | The term soil originated from the Latin word solum| Which means floor.
- भारत में सबसे अधिक **(43.4%) भूभाग पर जलोढ़ मिट्टी** पायी जाती है और अन्य मिट्टियों में काली मिट्टी, लाल मिट्टी और लैटराइट मिट्टी पायी जाती है | Highest in IndiQa (43.4%) Alluvial soils are found on the terrain and other soils are found in black soils, red soils and latrite soils|
- **पेडालोजी (Pedology):** इसके अंतर्गत मृदा की उत्पत्ति और वर्गीकरण तथा मृदा का विस्तृत अध्ययन किया जाता है | एक pedalogist मृदा के प्राकृतिक वातावरण में ही उसका अध्ययन, जाँच तथा वर्गीकरण करता है | It carries out a detailed study of the origin and classification of soil and soil| A pedalogist studies, examines and classifys soil in its natural environment.
- **एडेफोलोजी (Edaphology):** इसके अनुसार मृदा, पेड़ पौधों के लिए एक प्राकृतिक आवास है| पौधों के उत्पादन सम्बन्धी मृदा के गुणों का अध्ययन ही एडेफोलोजी कहलाता है | इस का मुख्य लक्ष्य आहार एवं फाइबर का उत्पादन करना होता है | According to this, soil is a natural habitat for tree plants| The study of the properties of the soil producing plants is called adenology | The main goal is to produce food and fibre.

मध्य प्रदेश की मृदा | Soil of Madhya pradesh

- काली मिट्टी | Black soil
- जलोढ़ मिट्टी | Alluvial soil
- लाल पीली मिट्टी | Red yellow soil
- लेटराइट मिट्टी | Laterite soil
- मिश्रित मिट्टी | Mixed soil

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) ने भारत की मिट्टी को आठ समूहों में बांटा है:

(1) जलोढ़ मिट्टी

(2) काली मिट्टी

(3) लाल एवं पीली मिट्टी

(4) लैटराइट मिट्टी

(5) शुष्क मृदा (Arid soils)

(6) लवण मृदा (Saline soils)

(7) पीटमय मृदा (Peaty soil) तथा जैव मृदा (Organic soils

(8) वन मृदा (Forest soils)

जल को अवषोषण करने की क्षमता सबसे अधिक दोमट मिट्टी में होती है। मृदा संरक्षण के लिए 1953 में केन्द्रीय मृदा संरक्षण बोर्ड की स्थापना की गयी थी।

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

काली मृदा

निर्माण
- बेसाल्ट चट्टानों के अपरदन से

पीएच मानः–
- 7.5 से 8.5 छारीय

फसल :–
- ज्वार, कपास, गेहूं, चना, जौ, सरसों

उपलब्धता :–
- चुना, आयरन, मैग्नीशिया
- इसे कपासी और रेगर मृदा भी कहते हैं।
- मध्य प्रदेश के कुल क्षेत्र का 43.44%
- मलवा का पठार :– नर्मदा घाटी, सतपुड़ा, विंध्याचल, पन्ना, दतिया, ग्वालियर शिवपूरी
- **Note!** जल धारण क्षमता सबसे ज्यादा है । जल धारण क्षमता सबसे ज्यादा है।

लाल पीली मृदा

निर्माण
- रूपांतरित एवं ग्रेनाइट चट्टान से

फसल
- तंबाकू, मूंगफली, चावल, सब्जी

क्षेत्र
- 36%
- Bundelkhand baghelkhand
- मंडला सीधी शहडोल बालाघाट
- लोहे मी मात्रा अधिक होती है।
- लाल दिखाई देती है।
- Note! जल में नियोजित होने पर पीली दिखती है।

लेटे राइट मृदा | Laterite Soil

निर्माण | Foundation
- अधिक वर्षा वाले क्षेत्र में इसका निर्माण होता है | It is produced in areas with high rainfall.

फसल | Crops
- काफी , चाय | Coffee , Tea

क्षेत्र |Area
- छिंदवाड़ा ,बैतूल, सिवनी | Chhindwara, Betul, Seoni

उपलब्धता :-
- लोहा , एलुमिनियम | Iron, aluminum

मिश्रित लाल एवं काली मृदा

निर्माण	➢ ग्रेनाइट एंव निस चट्टानों के अपरदन
फसल	➢ ज्वार, बाजरा
फसल	➢ 18.30 %
	➢ मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, रीवा, सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ शिवपुरी गुना, आदि।

मध्यप्रदेश में कृषि

फसल

- खरीफ
- रबी
- जायदब

बागवानी

- फसल
- सब्जियां
- मसाले

फसल मौसम के आधार पर

खरीफ

- बुवाई :– जून – जुलाई
- कटाई :– सितंबर–अक्टूबर

रवि

- बुवाई :– अक्टूबर – नवंबर
- कटाई :– फरवरी–मार्च

जायद

- बुवाई :– मार्च – अप्रैल
- कटाई :– मई–जून

- मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है।
- मध्य प्रदेश की लगभग 72%जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है।

फसलों का वर्गीकरण

1. रबी

- गेहूं
- जो
- चना
- मटर
- सरसों
- राई आदि

- शीतकालीन फसलें
- अधार :– सिंचाई

2. खरीफ

- धान
- गन्ना
- ज्वार
- बाजरा
- अरहर
- सोयाबीन
- कपास आदि

- वर्षा कालीन फसलें
- आधार:– वर्षा

3. जायद

- सब्जियां
- तरबूज
- खरबूज आदि

- ग्रीष्मकालीन फसलें
- आधार :– सिंचाई

फसल

1. खाद्यान्न | Cereal

- गेहूं | Wheat
- जौ | barley

2. तिलहन

- सरसों | mustard
- सूरजमुखी| sunflower
- अलसी | linseed

3. दलहन | pulse

- चना | gram
- मसूर | Lentils
- मटर | pea

4. अन्य|Other

- अदरक| ginger
- लहसुन | garlic
- अफीम | Poppy
- धनिया | coriander

खरीफ फसलें

1. खाद्यान्न
- चावल
- ज्वार
- मक्का
- बाजरा

2. तिलहन
- कपास
- तिल
- मूंगफली
- सोयाबीन

3. दलहन
- उड़द
- अरहर
- मूंग

4. अन्य
- जूट
- तंबाकू

जलवायु के आधार पर मध्य प्रदेश को 11 कृषि जलवायु क्षेत्र में विभाजन

Madhya Pradesh divided into 11 Agro-climatic zones based on climate

क्र.	कृषि जलवायु क्षेत्र	जिले
1.	छत्तीसगढ़ की उत्तरी पहाड़ियॉ	बालाघाट
2.	कैमूर का पठार तथा सतपुड़ा की पहिड़ियां	डिडोरी , शहडोल, अनूपपुर, उमरिया
3.	कैमूर का पठार तथा सतपुड़ा की पहाड़ियां	जबलपुर , कटनी, पन्ना, रीवा ,सतना सीधी मंडला शिवनी
4.	विंध्यव पठार	भोपाल, सीहोर, बिदिशा, सागर, दमोह, रायसेन
5.	मध्य नर्मदा घाटी	नरसिंहपुर, होशंगाबाद, हरदा
6.	गिर्द क्षेत्र	ग्वालियर, भिंड मुरैना, शिवपुरी , गुना
7.	बुंदेलखंड क्षेत्र	छÿारपुर, टीकमगढ़, दतिया, निवाड़ी
8.	सतपुड़ा का पठार	छिंदवाड़ा , बेतूल
9.	मालवा का पठार	मंदसौर, रतलाम, राजगढ़, शाजापुर, उज्जैन, इंदौर देवास तथ क्षार
10.	निमाड़ घाटी	खंडवा, खरगोन, बड़वानी
11.	झाहुबा की पहाडियां	झाबुबआ तथा धार का क्षेत्रा

मध्यप्रदेश में किसान | Farmers in Madhya Pradesh

- किसान हितों के संरक्षण के लिए एक किसान परिषद का गठन

  अध्यक्ष :– जिला पंचायत अध्यक्ष

- मध्य प्रदेश को 11कृषि जलवायु प्रदेशों में प्रथा पांच कृषि प्रदेशों में बांटा गया है
- मध्य प्रदेश के लगभग 49% भाग पर कृषि की जाती है।
- जोस का आकार :– 1.78 हेक्टेयर

जोत :-
- सर्वाधिक :- हरदा
- न्यूनतम :- कटनी (नीमच)

मध्यप्रदेश में किसान | Farmers in Madhya Pradesh

किसान | Farmers	क्षेत्रफल | area	प्रतिशत | Percent
• सीमांत किसान Marginal farmer	1 हेक्टेयर से कम	41%
• छोटे किसान Small farmer	1 से 2 हेक्टेयर	27%
• मध्य किसान Middle farmer	2 से 10 हेक्टेयर	28%
• बड़े कृषक Big farmer	10 हेक्टेयर से ज्यादा	1%

मध्य प्रदेश में विभिन्न फसलों के सर्वाधिक उत्पादन वाले जिले (2015-16)

फसल	सर्वाधिक उत्पादन वाले जिले		
	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
गेहूं	होशंगाबाद	सीहोर	उज्जैन
धान	बालाघाट	होशंगाबाद	मंडला
मक्का	छिंदवाड़ा	सिवनी	धार
चना	विदिशा	सागर	दमोह
अरहर	नरसिंहपुर	छिंदवाड़ा	मुरैना
सोयाबीन	धार	उज्जैन	रतलाम
सरसों	मुरैना	भिंड	श्योपुर

मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र | Agriculture Sector in Madhya Pradesh

❖ कृषि विभाग द्वारा मध्य प्रदेश को 5 कृषि प्रदेशों में विभाजन |

1. पश्चिम में काली मिट्टी का मालवा प्रदेश
2. उत्तर में ज्वार गेहूं का प्रदेश
3. मध्य गेहूं का प्रदेश
4. चावल गेहूं का प्रदेश
5. संपूर्ण पूर्वी मध्य प्रदेश चावल का प्रदेश

1. पश्चिम में काली मिट्टी का मालवा प्रदेश | Black clay of malwa pradesh in the west :-

- मंदसौर, नीमच ,रतलाम, झाबुआ ,बड़वानी, हरदा, धार ,देवास, उज्जैन, शाजापुर ,इंदौर, खंडवा, खरगोन आदि ज्वार एवं कपास के प्रदेश है | Mandsaur, Neemuch, Ratlam, Jhabua, Barwani, Harda, Dhar, Dewas, Ujjain, Shajapur, Indore, Khandwa, Khargon etc. are the regions of sorghum and cotton.

2. उत्तर में ज्वार गेहूं का प्रदेश | Sorghum wheat region in the north :-

मुरैना ,श्योपुर, भिंड ,ग्वालियर, दतिया ,शिवपुरी, गुना ,छतरपुर तथा टीकमगढ़ जिला है।

3. मध्य गेहूं का प्रदेश | Central Wheat Region :-

भोपाल, सीहोर ,होशंगाबाद, रायसेन ,विदिशा, नरसिंहपुर ,सागर तथा दमोह जिले शामिल है।

4. चावल गेहूं का प्रदेश | Rice Wheat Region :-

इसमें उत्तर में पन्ना ,सतना, कटनी, उमरिया, जबलपुर, सिवनी के दक्षिण तक का क्षेत्र है।

5. संपूर्ण पूर्वी मध्य प्रदेश चावल का प्रदेश | Entire Eastern Madhya Pradesh Rice Region :-

इसमें रीवा, सीधी, शहडोल, डिंडोरी, मंडला, बालाघाट, आदि जिले सम्मिलित हैं।

फसलों के आधार पर मध्य प्रदेश को 7 कृषि क्षेत्रों में विभाजन

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

1. ज्वार का क्षेत्र

गुना, शिवपुरी, श्योपुर, पश्चिमी मुरैना।

2. गेहूं व ज्वार का क्षेत्र

बघेलखंड तथा मालवा के पठार का मध्य भाग भिंड मुरैना, ग्वालियर

3. कपास व गेहूं का क्षेत्र

उज्जैन, मंदसौर, शाजापुर, राजगढ़ देवास व सीहोर।

4. कपास का क्षेत्र

पश्चिमी मध्य प्रदेश (खंडवा, खरगोन, बड़वानी, धार, रतलाम, झाबुआ।

5. चावल का कपास क्षेत्र

खंडवा।

6. चावल – कपास–ज्वार क्षेत्र।

सिवनी, छिंदवाड़ा, बैतूल।

7. चावल का क्षेत्र

बघेलखंड क्षेत्र शहडोल, मंडला, बालाघाट, सिवनी, सीधी, जबलपुर

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

मध्यप्रदेश की प्रमुख खाद्य अन्य फसलें | Madhya Pradesh's major food other crops

गेहूं | Wheat

- ❖ मध्य प्रदेश का स्थान :– दूसर (प्रथम – यू. पी.)
- ❖ प्रमुख खाद्यान फसले :– गेहूं, चावल, मक्का आदि
- ❖ प्रमुख खाद्य फसल :– गेहूं

गेहूं | Wheat :-

❖ मध्यप्रदेश उत्पादन व क्षेत्रफल की दृष्टि से :–प्रथम स्थान है

❖ वानस्पतिक नाम :– ट्रिटिकम स्मिसिज

❖ सर्वाधिक उत्पादन :– होशंगाबाद (सीहोर)

❖ गेहूं अनुसंधान केंद्र :– पावर खेड़ा । (होशंगाबाद)

❖ अतर्राष्ट्रीय गेहूं एवं मक्का अनुसंधान केंद्र :–

खमरिया । (जबलपुर)

❖ गेहूं की डलिया :– मालवा का पठार

चावल | Rice :-

- ❖ धान अनुसंधान केंद्र :– बड़वानी
- ❖ राष्ट्रीय चावल अनुसंधान केंद्र :– कटक (उड़ीसा)
- ❖ अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान केंद्र :– मनिला (फिलिपींस)

उत्पादकता | productivity :-

- बालाघाट | Balaghat
- प्रति हेक्टेयर :- होशंगाबाद | Hoshangabad

मक्का | maize

- ❖ सर्वाधिक उत्पादन :– छिंदवाड़ा
- ❖ मध्य प्रदेश की तीसरी प्रमुख खाद्य फसल
- ❖ फसल का प्रकार :– खरीफ

मध्यप्रदेश की प्रमुख तिलहन फसलें

सोयाबीन

- मध्य प्रदेश का प्रथम :- स्थान
- एशिया का सबसे बड़ा

  सोयाबीन कारखाना :- उज्जैन

राई/सरसों

- सरसों तेल का कारखाना :- मुरैना

मूंगफली

- मूंगफली अनुसंधान केंद्र

  :- खरगोन

प्रमुख योजनाएं

1. मुख्यमंत्री भावांतर योजना :– 16 अक्टूबर 2017 (सागर खुरई)

2. अन्नपूर्णा + सूरज धारा योजना :– 2000–01

(अनुसूचित जाति जनजाति के किसानों हेतु)

इस योजना के अंतर्गत :-
- सूरज धारा - बीज - दलहन तिलहन
- अन्नपूर्णा - बीज - खाद्यान्न

3. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना :–

- शुरूआत :– सीहोर मध्य प्रदेश
- वर्ष :– 2016 – 18 फरवरी
- लाभ :– प्राकृतिक आपदाओं द्वारा नष्ट फसल के मुआवजे में आर्थिक सहायता एवं बीमा राशि

4. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि :-

- लागू :- 1 दिसंबर 2018
- लाभ :- 6000 प्रति वर्ष

❑ मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना मध्यप्रदेश :-

- शुरुआत :- 25 सितंबर 2020
- लाभ :- 4000 प्रति वर्ष

मध्यप्रदेश में नदियां

नदियां

मुहाने | Mouth

अरब सागर

1. नर्मदा
2. ताप्ती
3. माहि
4. मांडवी

BOB

- गंगा
- ब्रह्मपुत्र
- कृष्णा
- कावेरी
- गोदावरी
- तुंगभद्रा
- भीमा

स्थल | Tarren

हिमालयी नदियां

1. गंगा नदी तंत्र
2. सिंधु नदी तंत्र
3. ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र

प्रायद्वीपीय

- नर्मदा नदी
- ताप्ती नदी
- गोदावरी
- कृष्णा
- गोदावरी

मध्यप्रदेश में बहने वाली प्रमुख नदियां

मध्यप्रदेश में बहने वाली प्रमुख नदियां :-

- **उत्तर की ओर बहने वाली नदियां :-**
  चंबल, केन, बेतवा, कालीसिंध, पार्वती और सिंध
- **दक्षिण की ओर बहने वाली नदियां :-**
  वैनगंगा, वर्धा, पेंच
- **पूर्वी की ओर बहने वाली नदियां :-**
  सोन
- **पश्चिम की ओर बहने वाली नदियां :-**
  नर्मदा, ताप्ती माही

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

मध्यप्रदेश में अपवाह तंत्र

1. गंगा अपवाह तंत्र
2. नर्मदा अपवाह तंत्र
3. ताप्ती अपवाह तंत्र
4. गोदावरी अपवाह तंत्र
5. माही अपवाह तंत्र

नर्मदा नदी:-

मुरैना
भिंड
ग्वालियर
श्योपुर
दतिया
शिवपुरी
टीकमगढ़
छतरपुर
रीवा
नीमच
गुना
अशोक नगर
पन्ना
सतना
मंदसौर
सिंगरौली
आगर
राजगढ़
विदिशा
सागर
दमोह
कटनी
शहडोल
भो
उमरिया
रतलाम
उज्जैन
शाजापुर
पाली
रायसेन
जबलपुर
सीहोर
नरसिंहपुर
डिंडोरी
अनूपपुर
झाबुआ
इंदौर
देवास
होशंगाबाद
मंडला
अलीराजपुर
धार
रायसेन
सिवनी
छिंदवाड़ा
खरगोन
खंडवा
बैतूल
बालाघाट
बुरहानपुर

नर्मदा नदी:-

- **स्थिति :–** पूर्व से पश्चिम
- **उद्गम :–** अमरकंटक मेंकॉल पर्वत अनूपपुर (पुष्पराजगढ़)
- **अन्य नाम :–** मुरांदला, शांकरी, रेवा, नामोदस, मेकालसुता, सोमोदेवी
- **लंबाई :**
  - कुल – 1312 किमी.
  - म. प्र. – 1077 किमी.

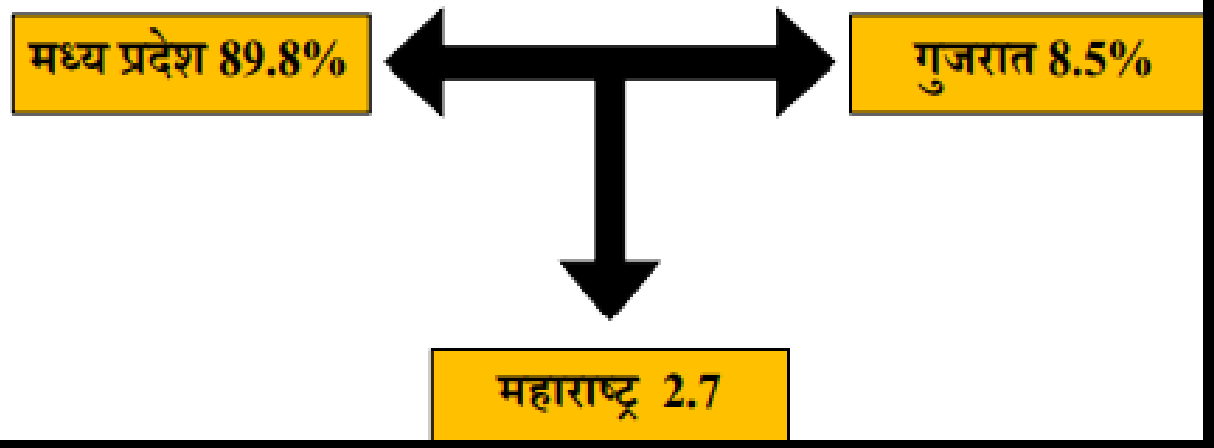

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

➢ कुल :– 41
- (1) दाई ओर से 19
- (2) बाई ओर से 22

सहायक नदियां

➢ दाई ओर की नदियां :– हिरण, तिंदोनी, वरना, चंद्रकेसर, जामनेर, हथनी, मान आदि

➢ बाई और की नदियां :– शक्कर, दुधी, तवा, गंजाल, छोटी तवा, कुंदी आदि

जलप्रताप

i. कपिल धारा एवं दुग्ध धारा जलप्रताप (अनूपपुर)
ii. धुआंधार जलप्रताप (भेड़ाघाट जलबपुर)
iii. सहस्रधारा जलप्रपात (महेश्वर खरगोन)
iv. दर्धी जलप्रपात
v. मंधाता जलप्रपात

बांध :–

1 इंदिरा सरोवर (खंडवा)

2 सरदार सरोवर (नवगांव गुजरात

3. महेश्वर परियोजना महेश्वर

4. बरगी (जबलपुर)

ओंकारेश्वर परियोजना (खंडवा)

किनारे बसे शहर :–

1. अमरकंटक
2. मंडला
3. ओंकारेश्वर
4. महेश्वर
5. नेमावर
6. बड़वाह
7. जबलपुर
8. होशंगाबाद
9. नरसिंहपुर
10. बड़वानी
11. अलीराजपुर आदि

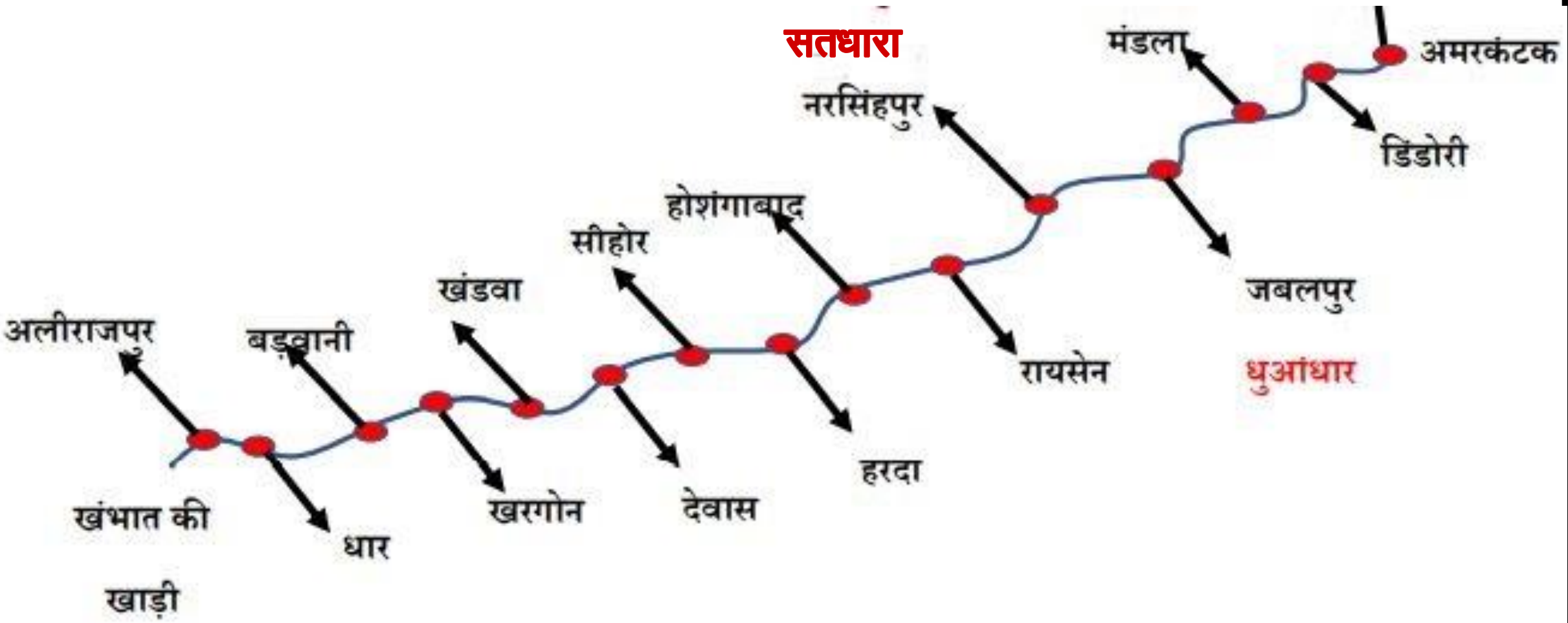
अर्जुन कुंड
भीमकुंड
सतधारा
कपिलधारा
दुग्ध धारा
अमरकंटक
मंडला
डिंडोरी
नरसिंहपुर
जबलपुर
रायसेन
धुआंधार
होशंगाबाद
हरदा
सीहोर
देवास
खंडवा
खरगोन
बड़वानी
धार
अलीराजपुर
खंभात की
खाड़ी

दाई ओर की नदियां :-

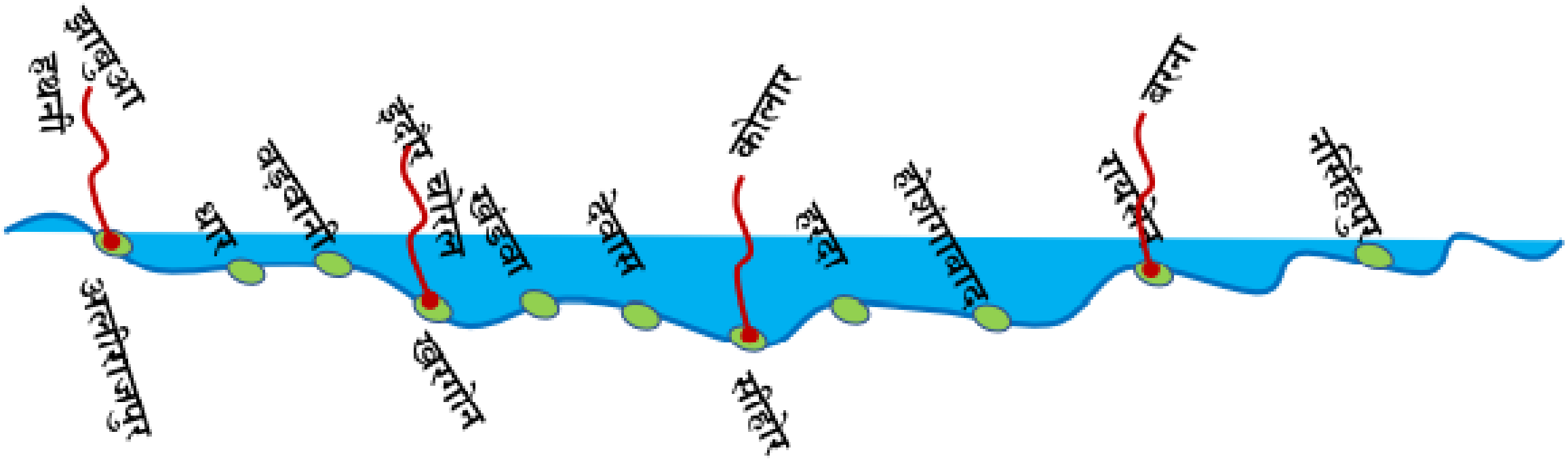

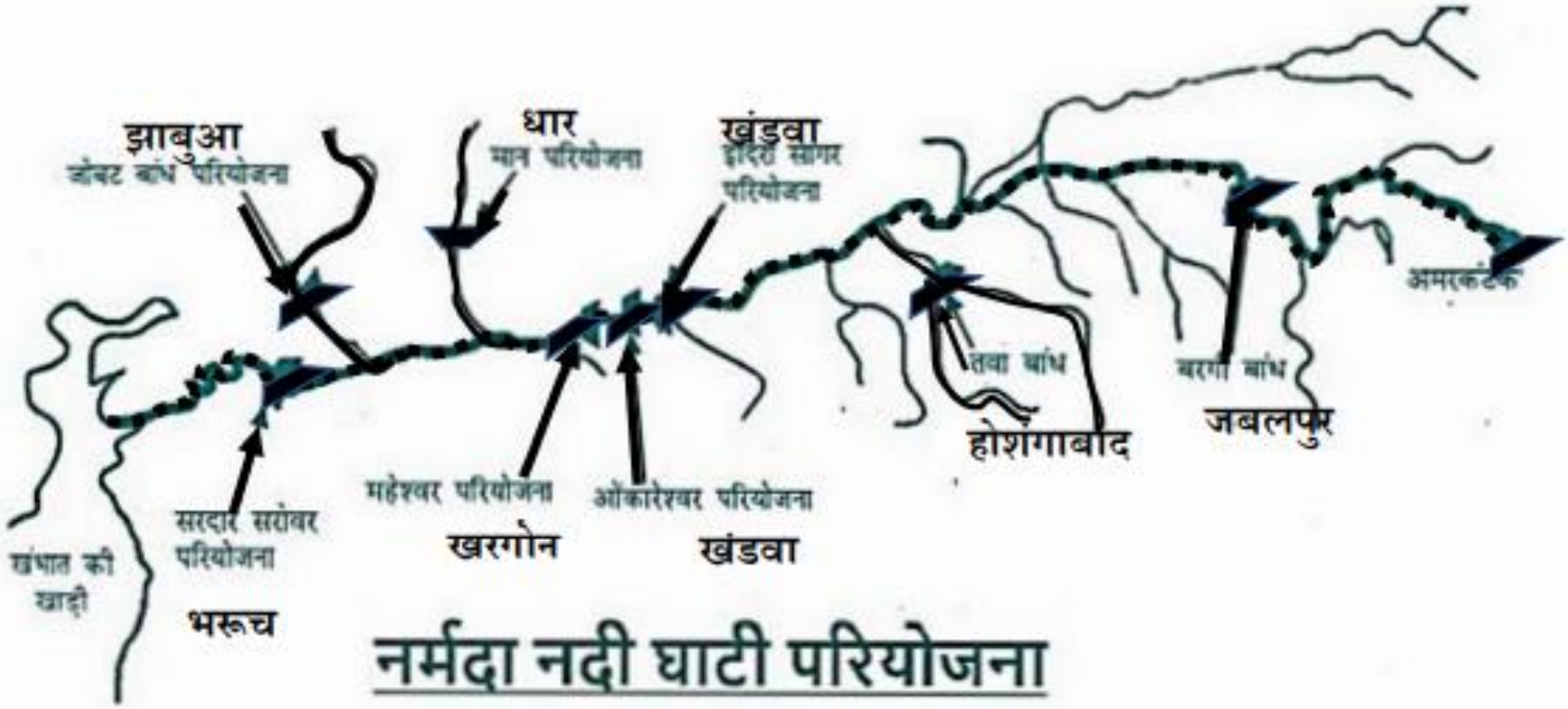

नर्मदा नदी घाटी परियोजना

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

MADHYA PRADESH
GANDHINAGAR
GUJARAT
BHOPAL
NAGPUR
SURAT
BIAN SEA
Sukhi
Johat Dam
Man
Chandwada
Ghulsar
Mandleshwar
Omkareshwar
Maheshwar
Indira Sagar
Bharuch
Karjan
Sardar Sarovar
Sukta
Kolar
Hoshangabad
Barna
Tawa
Bargi Dam
Mandla
Matiyari

- नर्मदा मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी नदी एवं भारत की पांचवी सबसें बड़ी नदी
- नर्मदा नदी को खुशियों की नदी कहा जाता है
- यह एस्चुरी ज्वारनदमुख निर्माण करती है।
- यह डेल्टा का निर्माण नहीं करती है।
- नर्मदा बचाओं आंदोलन (1989)– मेघा पाटकर
- 2017 में नर्मदा को जीवित नदी का दर्जा प्रदान किया गया है
- उद्देश्य नर्मदा में जल संरक्षण शुद्धि कला एवं प्रदूषण रोकथाम

- नमामि देवी नर्मदे यात्रा –
- शुरूआत :– 11 दिसबंर 2016 अमरकंटक से
- समापन :– 15 मई 2017

ताप्ती नदी | Tapti River

ताप्ती नदी | Tapti River

- **स्तिति :–** पश्चिमी पूर्व की ओर प्रवाहित
- **उद्धम :–** मुलताई (बैतूल)
- **सहायक निदयां :–** पूर्णा , शिवा तथा बोरी, वाधुर गिरवार
- **लंबाई :–** 724 किमी
- **किनारे स्थित नहर :–** सूरत (गुजरात) बुरहानपुर, मल्ताई (मध्य प्रदेश) सोन गढ (गुजरात) बेतूलु, भुसावल (महाराष्ट्र)
- **परियोजना :–** अपर एव लोअर पाती परियोजना
- **अन्य** – सुर्य की पुत्री (महाभारत) सहस भरो भादवा , – विष्णु पुराण

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

ताप्ती नदी | Tapti River

- **सत पौराणिक कुंड :–** सुर्य कुंड, ताप्ती, सनी,धर्म, नारद, पाप, नागबाबा स्थित है
- ताप्ती नदी डेल्टा का निर्माण नहीं करती
- यह एस्चुरी ज्वारनदमुख का निमार्ण करती है।

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

माही नदी | Mahi River

- उद्गम | Origin :- विंध्य धार (सरदारपुर - तहसील)
- सहायक नदी | Tributaries :- उजास
- Mouth :- माही खंभात की खाड़ी में मिलती |

उत्तर की ओर बहने वाली मुख्य नदियां

(चंबल, सोन ,बेतवा ,केन ,कालीसिंध ,पार्वती आदि)

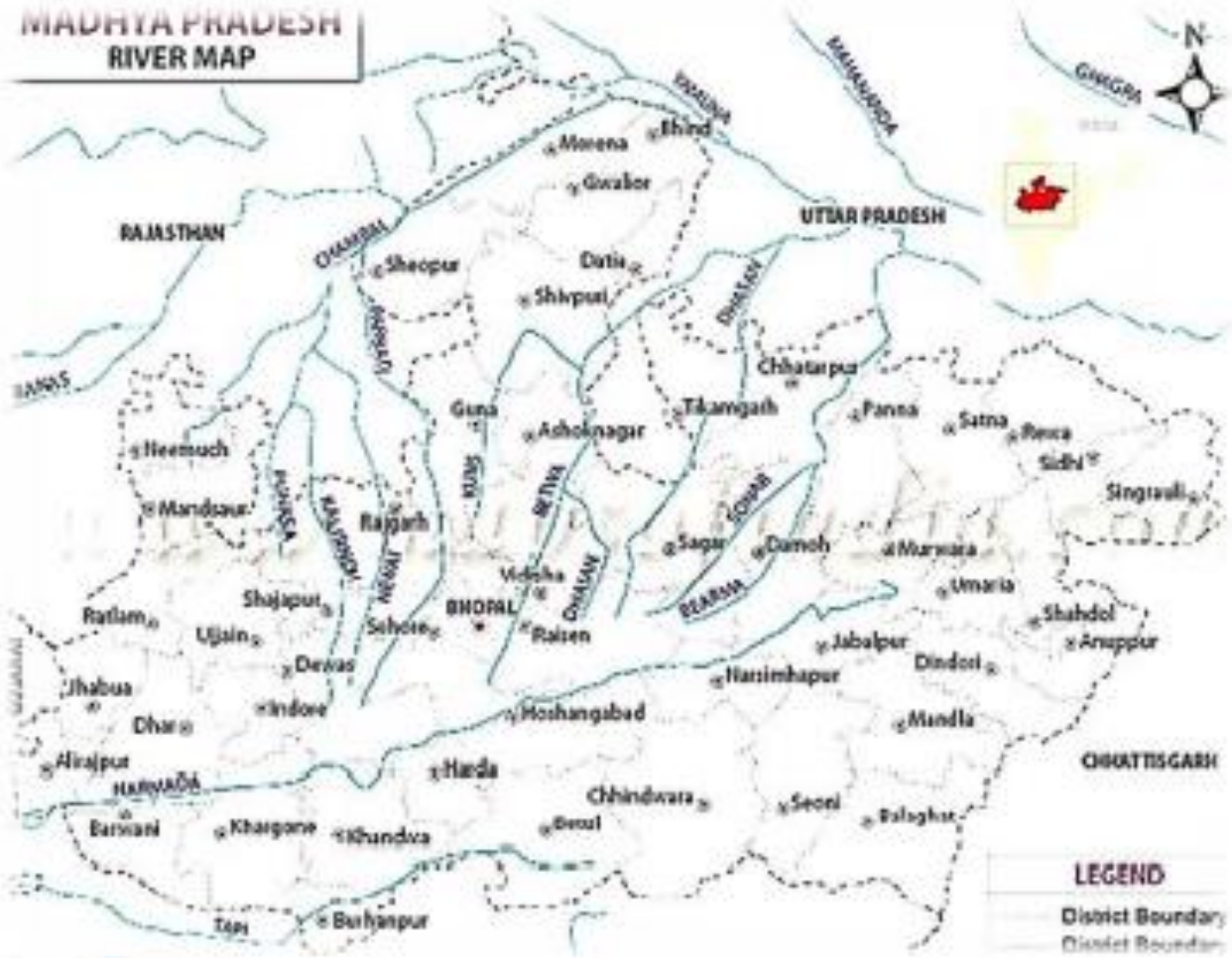

चंबल नदी | Chambal River

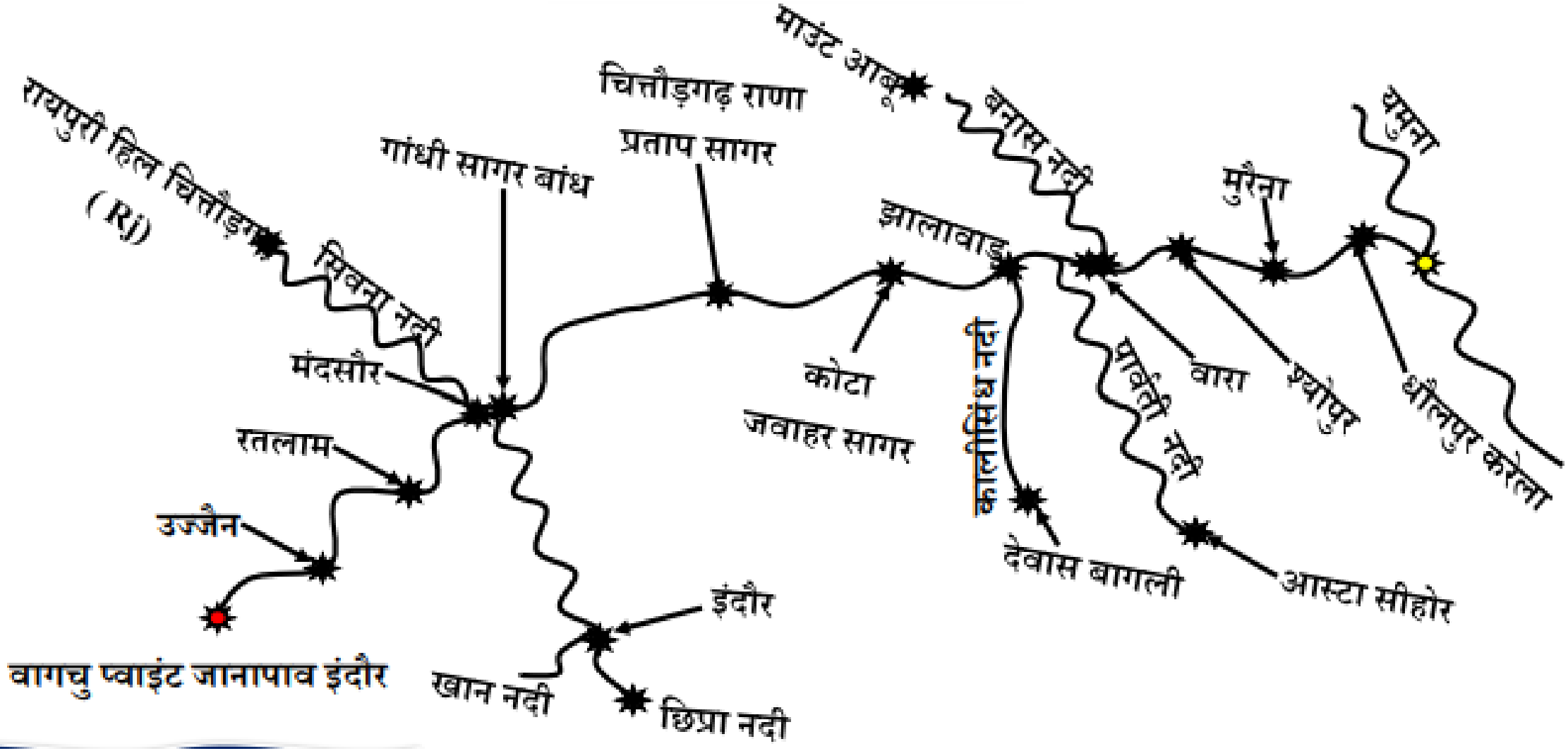

चंबल नदी | Chambal River

- अन्य नाम | Other Name :- चर्मावती, धर्मावती
- उद्गम | Origin :- जानापाव पहाड़ी ,(वांगचु प्वाइंट)
- सहायक नदियां :- छपरा ,कालीसिंध ,पार्वती ,शिवना ,बनास (राजस्थान), पुनासा (राजस्थान)
- लंबाई | Length :- 965 किलोमीटर
- यह उत्खात भूमि(Bad land) के लिए प्रसिद्ध है
- चंबल नदी बीहड़ (Gally erosion) का निर्माण करती है
- चूलिया जलप्रपात | Chulia waterfall :- कोटा राजस्थान

बेतवा नदी | Betwa River

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

बेतवा नदी | Betwa River

अन्य नाम| Other Name :- ➢ वेत्रवती, वेत्रावती ,मध्यप्रदेश की गंगा, बुंदेलखंड की जीवन रेखा

उद्गम | Origin :- ➢ कुम्हरा गाव (रायसेन)

उल्लेख :- ➢ मेघदूत- कालिदास ,-कादंबरी -बाणभट्ट ,केशवदास- रसिकप्रिया, बाबरनामा- बाबर |

सहायक नदियां | Tributaries :- ➢ वेश जामनी बीना धसान हलाली आदि

बेतवा नदी | Betwa River

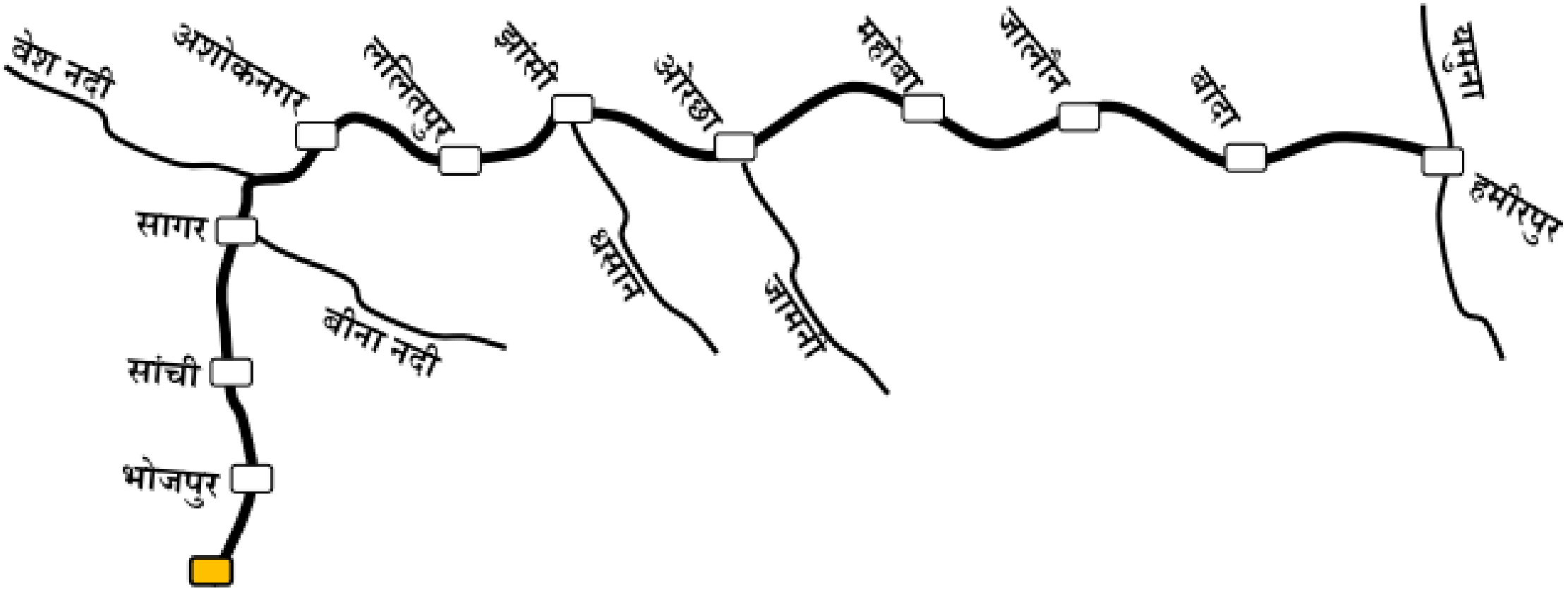

उद्गम :- रायसेन कुम्हरा गाव

केन नदी | Ken River

अन्य नाम| Other Name :- शुक्तिमती ,भानुमति

उद्गम | Origin :- कैमूर (कटनी)

सहायक नदियां | Tributaries :- सोनार ,सेमेरी ,पर्वा आदि

मुहाना | Mouth :- बांदा - यमुना (यूपी)

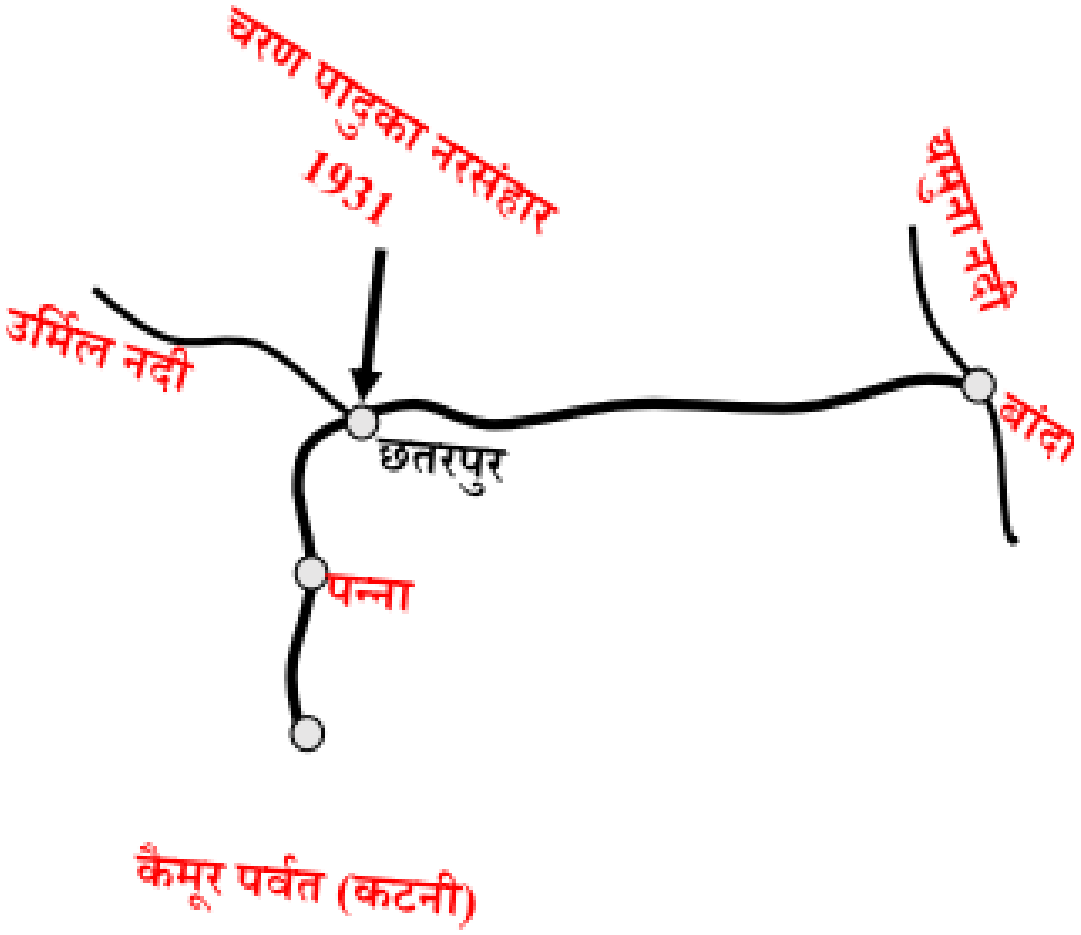

सिंध नदी | Sindh River

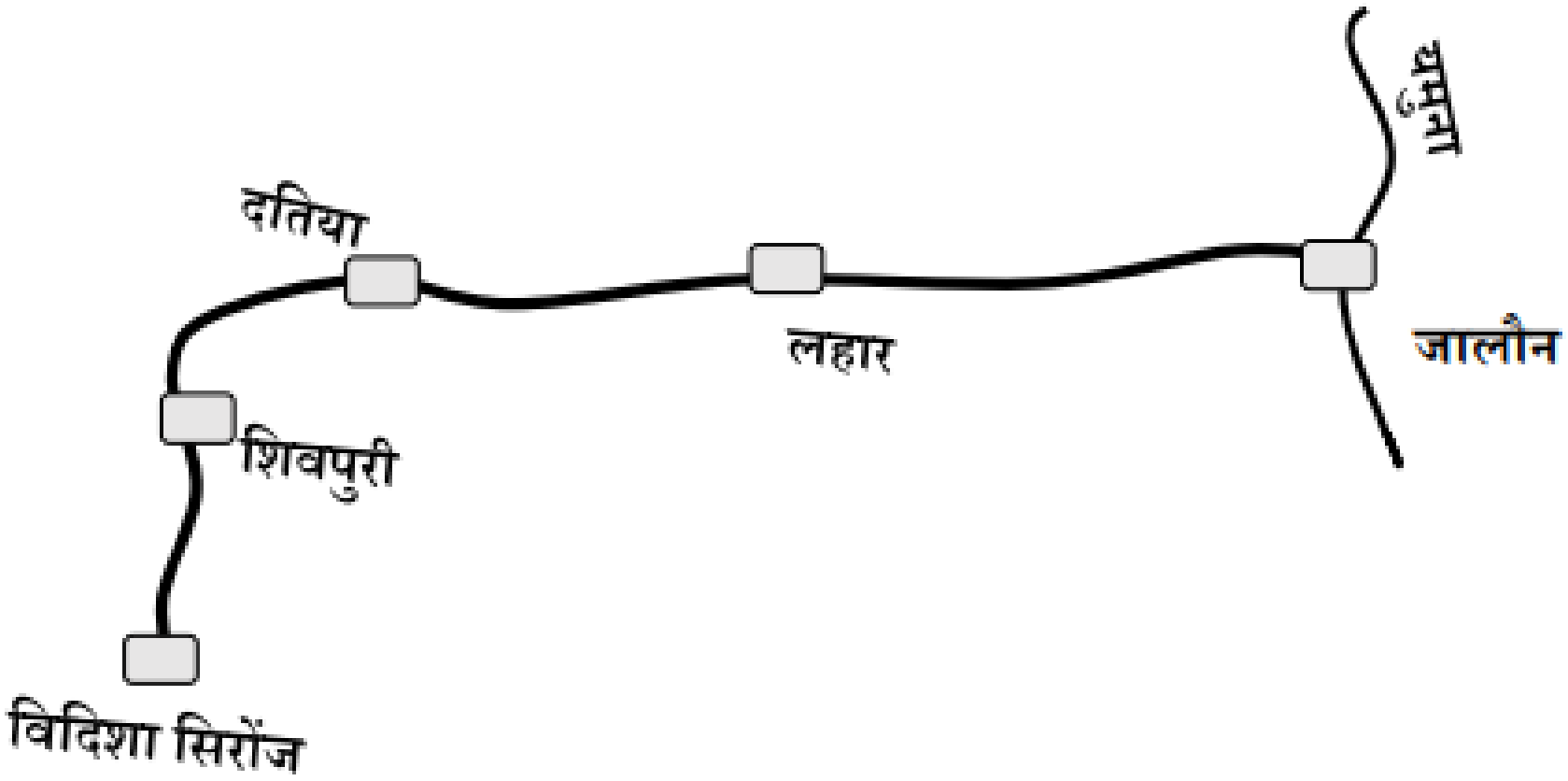

सोन नदी | Son River

अन्य नाम | Other Name :- ➢ सुवर्णा ,सोआ

उद्गम | Origin :- ➢ अमरकंटक पुष्पराजगढ़(अनूपपुर)

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

सोन नदी | Son River

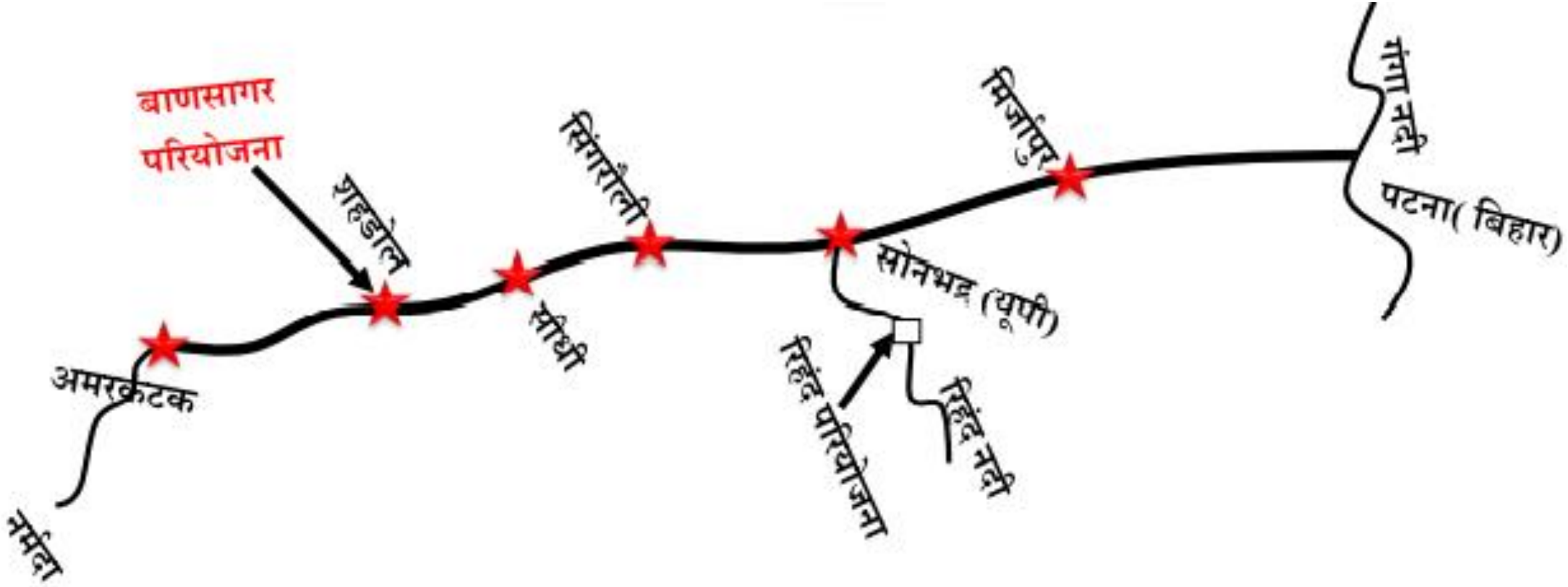

सोन नदी | Son River

अन्य नाम | Other Name :-

- सुवर्णा ,सोआ ,टालमी

उद्गम | Origin :-

- अमरकंटक पुष्पराजगढ़(अनूपपुर)
- इसका ज़्यादातर हिस्सा वनाच्छादित है और जनसंख्या कम है।
- यह घाटी कैमूर पर्वतश्रेणी (उत्तर) और छोटा नागपुर (दक्षिण) से घिरी हुई है।
- मौसमी (बरसाती) नदी होने के कारण यह परिवहन की दृष्टि से महत्त्वहीन है।
- इसकी अनेक सहायक नदियाँ हैं, जिसमें दो मुख्य हैं।

  1. रिहन्द 2. कुनहड

टोंस नदी | Tons River

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

अन्य नाम| Other Name:- ➢ तमसा (पुराणों में)

उद्गम|Origin :- ➢ कैमूर ,मैहर (सतना) कुंड - तमसा कुंड

मुहाना :- ➢ सतना → रीवा → सकरी घटिया → गंगा (UP - सिरसा प्रयागराज)

सहायक नदियां :- ➢ बीहड़ ,सेनकर, बेलाज, महान आदि

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

टोंस नदी | Tons River

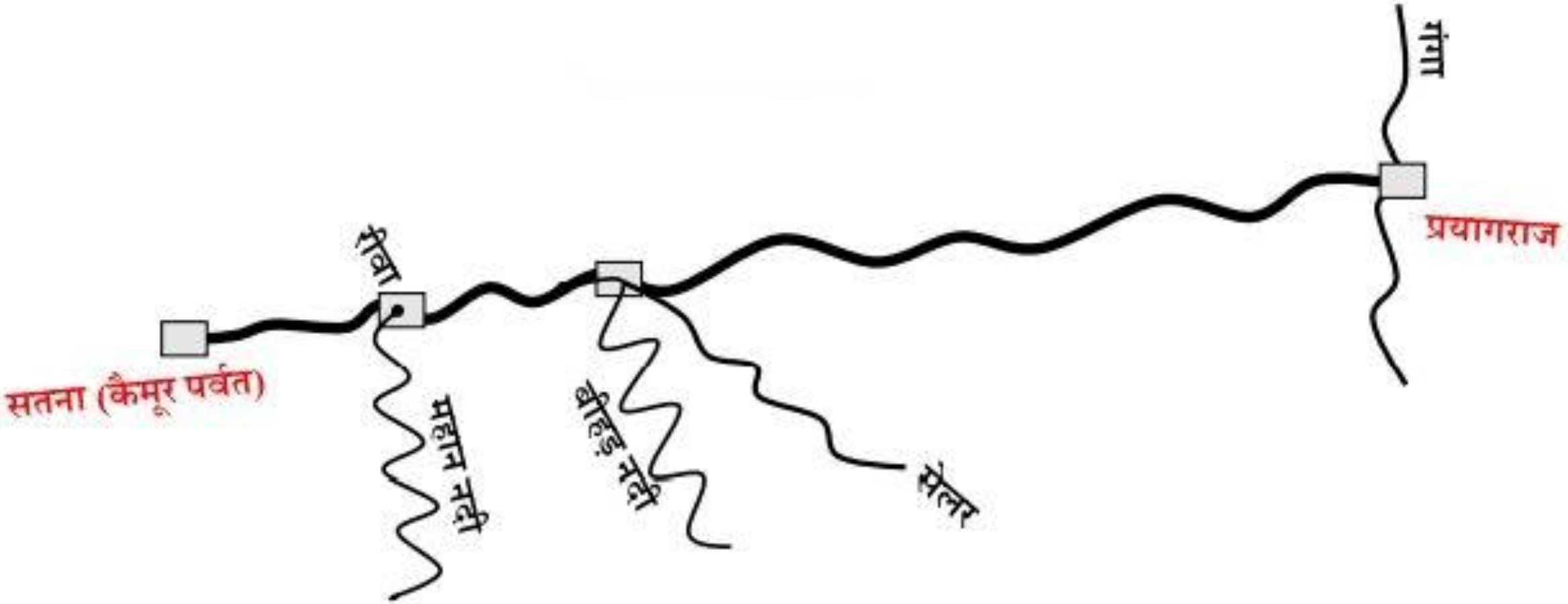

वैनगंगा नदी | Benganga River

उद्गम | Origin :-

- सिवनी के परसवाड़ा पठार से निकलती है |

मिलन :-

- वैनगंगा नदी महाराष्ट्र में वर्धा नदी में मिल जाती है जहां इन दोनों को प्राणहिता के नाम से जाना जाता है |

सहायक नदियां :-

- कन्हान ,पेंच, चंदन तथा बवंतड़ी इसकी सहायक नदियां हैं |

- वैनगंगा नदी पर अपर, बेंगंगा , संजय सरोवर, परियोजना (एशिया के सबसे बड़े मिट्टी बांध) में से एक है |

Azad MPPSC
Academy
Unit Of Azad Group

कूनो नदी | Koono River

उद्गम | Origin :-

- नदी शिवपुरी पठार से निकलकर 180 किलोमीटर उत्तर में मुरैना तक बहती है |

वर्धा नदी | Vardha River

उद्गम | Origin :-

- बेतूल के मुलताई के वर्धन शेखर से निकलकर महाराष्ट्र में वैनगंगा नदी में मिलती है|

कुंवारी नदी | Kuwari River

उद्गम | Origin :-

- शिवपुरी पठार से निकलती है चंबल के समानांतर बहते हुए भिंड जिले में सिंध में मिल जाती है |

बीहड़ नदी | Beehad River

उद्गम | Origin :- ➢ रीवा पठार से निकलकर टोंस में मिलती है इस पर चचाई जलप्रपात बना है |

धसान नदी | Dhasan River

उद्गम | Origin :- ➢ धसान नदी का उद्गम रायसेन जिले में हुआ है |

महा नदी | Mahanadi River

उद्गम | Origin :- ➢ महानदी छोटी यह मंडला जिले के अखड़ार गांव के समीप से निकलती है |

बनास नदी | Banas River

उद्गम | Origin :- ➢ बनास नदी का उद्गम छत्तीसगढ़ के महेंद्रगढ़ से हुआ है, यह सीधी, शहडोल जिला में प्रभावित होती है

जोहिला नदी | Johila River

उद्गम | Origin :- ➢ जोहिला नदी का उद्गम अनूपपुर जिले के अमरकंटक से हुआ है |

शिवना | Shivna River

उद्गम | Origin :- ➢ शिवना नदी का उद्गम रतलाम जिले में से हुआ है मंदसौर शिवना नदी के किनारे बसा हुआ है |

शक्कर नदी | Shakkar River

उद्गम | Origin :- ➢ शक्कर नदी छिंदवाड़ा जिले अमरवाड़ा के समीप उद्गमित होती है नर्मदा की सहायक नदी है |

बारना नदी | Barna River

उद्गम | Origin :- ➢ बारना नदी का उद्गम रायसेन जिले में हुआ है |

चोरल नदी | Choral River

उद्गम | Origin :- ➢ चोरल नदी का उद्गम इंदौर के समीप छोटा जाम से हुआ है इस के उद्गम स्थल पर जाम दरवाजा मंदिर का निर्माण किया गया है |

मान नदी | Man River

उद्गम | Origin :- मान नदी का उद्गम धार जिले के विंध्य पर्वत माला से हुआ है यह नर्मदा की सहायक नदी है

हथनी नदी | Hathni River

उद्गम | Origin :- हथनी नदी का उद्गम अलीराजपुर के समीप से हुआ है यह नर्मदा की सहायक नदी है

बहुउद्देशीय परियोजनाएं

बहुउद्देशीय परियोजनाएं

- उ.द्देश्यों – सिंचाई बाढ़ नियन्त्रण, पेयजल आपूर्ति , जल विघुत उत्पादन , नहर परिहन, पयट्रन और वन्य जीव संरक्षण आदि की पूर्ति बहुउद्देशीय परियोजनाओं के तहत की जाती है।
- इसलिए भारत के प्रथम प्रंधानमंत्री पं० जवाहर लाल नेहरू ने इन परियोजनाओं को आधुनिक भारत का मंदिर की संज्ञा दी है।

Azad MPPSC Academy
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com